हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 337 | बेमेतरा, गुरुवार 24 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पिता ने लगाया दहेज के लिए पुत्री की हत्या का गंभीर आरोप

जयपुर। राजधानी जयपुर के श्याम नगर इलाके में दिल दहला देने वाली घटना ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। स्वप्रिल जैन नामक एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु को उनके पिता योगेश चंद जैन ने दहेज उत्पीड़न और सुनियोजित हत्या का मामला करार दिया है। इस मामले में स्वप्रिल के पति अक्षय जैन, ससुर लालचंद जैन, सास सुनीता जैन और देवर आशिक जैन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। योगेश चंद जैन, निवासी अलवर, ने अपनी शिकायत में बताया कि उनकी पुत्री स्वप्रिल का विवाह 11 जुलाई 2013 को अक्षय जैन के साथ हुआ था। विवाह के बाद से ही स्वप्रिल को दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। योगेश ने आरोप लगाया कि अक्षय, जो शराब और नशीली दवाओं का आदी है, नशे की हालत में उनकी पुत्री के साथ मारपीट करता था। स्वप्रिल ने अपने नौ वर्षीय पुत्र ओजस के साथ कई बार अपने मायके में शरण ली, लेकिन परिवार के भविष्य को देखते हुए उसे मजबूरन ससुराल लौटना पड़ता था।

मलकानगिरी में नाबालिग का यौन शोषण, ट्रक ड्राइवर पर आरोप

भुवनेश्वर। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में नाबालिग लड़की के यौन शोषण का मामला सामने आया है। एक ट्रक ड्राइवर आरोपी है। पीड़िता के परिवार ने मलकानगिरी सदर थाने में इस मामले की लिखित शिकायत दर्ज करा दी है। परिवार का कहना है कि लड़की सोमवार शाम अपने दोस्त के घर जन्मदिन की पार्टी में गई थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। जब काफी देर तक उसका कुछ पता नहीं चला, तो परिवार वालों ने उसे ढूंढना शुरू किया। रात को बाद में स्थानीय लोगों ने लड़की को बीजा घाटी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-326 पर बदहाल देखा, साथ में ट्रक ड्राइवर भी था। स्थानीय लोग तुरंत हरकत में आए और पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने नाबालिग लड़की को वहां से रेस्क्यू कर स्थानीय आश्रय गृह 'शक्ति सदन' पहुंचाया। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया और उससे पूछताछ की जा रही है।

रेलवे ट्रेक पर मिले युवक-युवती के शव

जबलपुर। ग्राम बसा से गुजर रहे रेलवे ट्रैक पर युवक-युवती के कटे हुए शव मिले हैं। दोनों ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या की है। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची माढ़ोताल थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। दोनों ही मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। मामला प्रथम दृष्ट्या प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ लग रहा है। माढ़ोताल थाना पुलिस ने पहचान के लिए जबलपुर और आसपास के जिलों में दोनों के फोटो भेजकर जांच शुरू कर दी है। घटना सोमवार की बताई जा रही है। युवक-युवती के शव मेडिकल कॉलेज में पीएम के लिए रखे गए हैं। पुलिस के मुताबिक 24 घंटे में अगर इनकी पहचान नहीं होती है।

पीएम मोदी की मौजूदगी में राजनाथ देंगे जवाब

28 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा तय, 16 घंटे होगी बहस

नई दिल्ली/ एजेंसी

राज्यसभा की व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्यसभा में अगले हफ्ते से दो दिन तक 16 घंटे की चर्चा होनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। यह बैठक मानसून सत्र के दौरान हुई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता, राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने की। यह बैठक पहले सोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन उसी दिन शाम को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बैठक के बाद कांग्रेस के राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने बताया कि विपक्ष ने एक सुर में मांग की कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा अगले हफ्ते से शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में इस पर चर्चा शुरू होने के एक दिन बाद राज्यसभा में चर्चा होनी चाहिए। वहीं, अब जानकारी सामने आई है कि ऑपरेशन सिंदूर पर 28 जुलाई से लोकसभा में चर्चा शुरू होगी। सदन में इस पर 16 घंटे तक चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान मौजूद रहेंगे। जबकि, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस पर जवाब देंगे। प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह एक सामान्य बहस होनी चाहिए, कोई प्रस्ताव नहीं लाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विपक्ष ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी की मांग की और सरकार ने आश्वासन दिया है कि प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि संसद के दोनों सदनों में पहलगाम हमले, बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) और अन्य मुद्दों को लेकर लगातार हंगामा हो रहा है, जिसकी वजह से कार्यवाही बार-बार स्थगित की जा रही है। बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची पुनरीक्षण, ऑपरेशन सिंदूर और ऐसे कई मुद्दों पर विपक्षी सांसदों का हंगामा दोपहर दो बजे के बाद भी जारी रहा। पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने सांसदों से शांति बनाए रखते हुए सदन में व्यवस्था बनाने और कार्यवाही चलाने में मदद करने की अपील की। उन्होंने हंगामा नहीं थमता देख महज 3-4 मिनट की कार्यवाही के बाद सदन की कार्यवाही गुरुवार, 24 जुलाई की सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी। दोपहर दो बजे पीठासीन सभापति भुवनेश्वर कालिता ने राज्यसभा में भी सदन की कार्यवाही शुरू कराई। हालांकि, विपक्षी खेमे के सांसदों की नारेबाजी नहीं थमने के कारण कार्यवाही बाधित हुई। केवल चार मिनट की कार्यवाही के बाद पीठासीन सभापति ने कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। विपक्षी दलों के शोरगुल और हंगामे के बावजूद पीठासीन सभापति संध्या राय ने लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे दोबारा शुरू कराई। विपक्षी दलों की तरफ से हो रही नारेबाजी और शोरगुल के बीच सांसदों-मंत्रियों ने सदन के पटल पर अहम प्रपत्र और रिपोर्ट पेश किए।

नए आपराधिक कानूनों में दुष्कर्म पीड़िताओं की गरिमा की रक्षा के लिए अहम प्रावधान :सरकार

नयी दिल्ली : गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बुधवार को कहा कि नए आपराधिक कानूनों में न्यायिक प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने तथा दुष्कर्म पीड़िताओं की गरिमा की रक्षा के लिए कई अहम प्रावधान किए गए हैं। राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि नए कानूनों के तहत मामलों के शीघ्र और निष्पक्ष निपटारे को प्राथमिकता दी गई है, जिससे आमजन का न्याय व्यवस्था पर विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि न्यायिक प्रक्रिया में तेजी के लिए किए गए मुख्य प्रावधानों के तहत प्रारंभिक जांच 14 दिनों के भीतर पूरी करनी होगी और अग्रिम जांच के लिए 90 दिन की समय सीमा तय की गई है। कुमार ने बताया कि पीड़ित और अभियुक्त को दस्तावेजों की आपूर्ति 14 दिनों के भीतर करनी होगी तथा बरी करने संबंधी आवेदन 60 दिनों के भीतर और आरोप तय करने की प्रक्रिया भी 60 दिनों के भीतर पूरी करनी होगी। उन्होंने बताया कि निर्णय सुनाने की समय सीमा 45 दिन नियत है और राज्यपाल के समक्ष 30 दिन पूर्व और राष्ट्रपति के समक्ष 60 दिन पूर्व दया याचिकाएं दाखिल करना होगा। मंत्री ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों की जांच को दो महीने के भीतर पूरा करने का प्रावधान किया गया है तथा मामलों में अनावश्यक देरी रोकने के लिए सुनवाई में अधिकतम दो स्थगन की अनुमति दी गई है। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि नए कानूनों में दुष्कर्म पीड़िताओं की गरिमा बनाए रखने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

भारत-पाकिस्तान पर ट्रंप के दावे जारी

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला, दाल में कुछ काला है.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम कराने के दावे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने 25वीं बार यह बयान दिया। पीएम मोदी इस पर मौन हैं। इससे लगता है दाल में कुछ काला है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सवाल किया कि ट्रंप युद्ध विराम कराने वाले कौन होते हैं? प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर एक बार भी जवाब नहीं दिया है। प्रधानमंत्री कैसे बयान दे सकते हैं? वह क्या कहेंगे, ट्रंप ने संघर्ष विराम करवाया, वह ऐसा नहीं कह सकते। लेकिन यह सच्चाई है। ट्रंप ने संघर्ष विराम करवाया, पूरी दुनिया जानती है। यह वास्तविकता है। संसद भवन परिसर में राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ संघर्ष विराम का मामला नहीं है। कई बड़ी समस्याएं हैं जिन पर हम चर्चा करना चाहते हैं। रक्षा, रक्षा उद्योग, ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी समस्याएं हैं। स्थिति अच्छी नहीं है और पूरी दुनिया जानती है। जो लोग खुद को देशभक्त कहते हैं, वे भाग गए हैं। प्रधानमंत्री एक बयान भी नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप 25 बार कह चुके हैं कि मैंने संघर्ष विराम करवाया। संघर्ष विराम करवाने वाले ट्रंप कौन होते हैं? यह उनका काम नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री ने एक बार भी जवाब नहीं दिया। यह सच्चाई है, वह इसे छिपा नहीं सकते। सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के विदेश से लौटने पर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने की बात स्वीकार कर ली है। राहुल गांधी ने कहा कि एक तरफ सरकार कहती है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है और दूसरी तरफ कहा जाता है कि जीत हासिल हो गई है।

चारधामों के लिए नियमित चार्टर सेवा शुरु करेगी सरकार

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नागरिक उड्डयन विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं में तेजी लाने के साथ ही राज्य में हेली सेवाओं के संचालन में सुरक्षा मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को सचिवालय में आयोजित नागरिक उड्डयन विभाग की गेमचेंजर योजनाओं की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में दूरस्थ क्षेत्रों तक आवाजाही को सुगम बनाने के लिए हवाई सेवाओं का नेटवर्क बढ़ाया जाना जरूरी है, इसी के साथ हवाई सेवाओं में सुरक्षा मानकों का भी सख्ती से पालन कराया जाए।

जल्द चुकाएं, नहीं तो...किरण खेर को नोटिस

सरकारी आवास का 12.76लाख बकाया

नई दिल्ली। चंडीगढ़ प्रशासन ने पूर्व भाजपा सांसद किरण खेर को सेक्टर 7 में आवंटित सरकारी आवास के लिए लगभग 13 लाख रुपये की बकाया लाइसेंस फीस के लिए नोटिस जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार, सहायक नियंत्रक (वित्त एवं प्रशासन) किराया ने 24 जून, 2025 को खेर के सेक्टर 8-ए स्थित कोठी संख्या 65 स्थित आवास पर नोटिस भेजा था। नोटिस में उन्हें जल्द से जल्द बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है और चेतावनी दी गई है कि यदि भुगतान में और देरी हुई तो कुल बकाया राशि पर 12त्न ब्याज लगाया जाएगा। प्रशासन ने भाजपा नेता से कुल 12,76,418 रुपये की मांग की है। यह बकाया राशि सेक्टर 7 स्थित सरकारी आवास टी-6/23 के लाइसेंस शुल्क (किराए) और जुर्माने से संबंधित है।

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर बिफरे स्पीकर

विपक्षी सांसदों से कहा...सड़कों का आचरण संसद में कर रहे हैं

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। बुधवार को जब विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए। उन्होंने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि आप सड़क का व्यवहार संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है। उन्होंने कहा कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। बता दें कि लगातार तीन दिन से हो रहे विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा को स्थगित करना पड़ रहा है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ है। लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान बिहार में रेल परियोजनाएं विषय पर चर्चा चल रही थी। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर हंगामा किया। सांसदों के हंगामे को लेकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए। उन्होंने कहा कि संसद हमारे गौरवशाली लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। सांसदों से मेरी अपेक्षा रहती है कि संसद के अंदर आपका आचरण, व्यवहार, कार्यपद्धति मर्यादित रहना चाहिए। देश की जनता ने आपको यहां पर उनकी आवाज, उनकी चुनौतियों, उनकी अपेक्षाएं और देश के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भेजा है। लोकसभा स्पीकर बोले कि आपका जो व्यवहार है वो सड़कों का है। यह आचरण और व्यवहार आप संसद में कर रहे हैं।

सिलीगुड़ी में मानव तस्करी की बड़ी साजिश नाकाम , एनजेपी स्टेशन से 56 युवतियां बरामद

सिलीगुड़ी। उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी में मानव तस्करी की एक बड़ी साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया। न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) रेलवे स्टेशन पर सोमवार रात जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में 56 युवतियों को पटना जा रही कैपिटल एक्सप्रेस ट्रेन से उतारकर बरामद किया गया। इन सभी युवतियों को कथित तौर पर आईफोन कंपनी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर बहला-फुसलाकर लाया गया था। बरामद की गई युवतियाँ जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, अलीपुरद्वार और डुआर्स इलाकों की रहने वाली हैं। उन्हें पहले यह बताया गया था कि उन्हें बेंगलुरु ले जाया जाएगा।

कर्नाटक में जीएसटी नोटिस पर सीएम ने किया साफ

छोटे व्यापारियों को परेशान करना नहीं है उद्देश्य-सीएम सिद्धारमैया...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को छोटे व्यापारियों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार जीएसटी नोटिसों से जुड़ी उनकी चिंताओं को दूर करने में उनका समर्थन करेगी। बेकरी और मसाला दुकानों के अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन के कारण राज्य भर में चाय और दूध की बिक्री बाधित हुई थी। अपने आवास पर ट्रेड यूनियनों और फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में सिद्धारमैया ने जीएसटी का भुगतान न करने पर छोटे विक्रेताओं को जारी किए गए कर नोटिसों से जुड़ी शिकायतों का समाधान किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नोटिस केवल उन लोगों को भेजे गए थे, जिनका यूपीआई लेनदेन 40 लाख रुपये से अधिक था, जिसका मुख्य उद्देश्य जीएसटी पंजीकरण को बढ़ावा देना था, तथा केवल दूध, सब्जियां, मांस और फलों जैसी छूट प्राप्त वस्तुओं का व्यापार करने वाले व्यापारियों पर कर नहीं लगाया जाएगा। यह बैठक दिन में पहले हुए एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन के बाद हुई, जिसमें बेकरी और मसालों की दुकानों ने चाय, कॉफ़ी और दूध देना बंद कर दिया था। विक्रेताओं ने काले बैज पहने और असहमति जताने के लिए केवल काली चाय या कॉफ़ी परोसी। उन्होंने वाणिज्यिक कर विभाग पर डिजिटल भुगतान रिकॉर्ड के आधार पर उन्हें गलत तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाया।

सीएम साय ने जताया शोक

वनमंत्री केदार कश्यप के भतीजे निखिल की सड़क दुर्घटना में मौत

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप के भतीजे और पूर्व सांसद दिनेश कश्यप के बेटे निखिल कश्यप की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के नवा रायपुर में सुबह करीब 4-5 बजे के बीच हादसा हुआ। बाइक के डिवाइडर से टकराने से 19 वर्षीय निखिल की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज चल रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह सड़क दुर्घटना सत्य साईं अस्पताल नवा रायपुर के पास हुई, जहां निखिल अपनी बुलेट बाइक पर सवार होकर जा रहा था, तभी उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसा इतना जोरदार था कि बुलेट के परखच्चे उड़ गए। घटना की जानकारी पर रायपुर एसएसपी लाल उमेद सिंह, वन मंदिर केदार कश्यप मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का जायजा लिया। मंदिर हसौद पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बाइक पर चार युवक सवार होकर सत्य साईं अस्पताल की ओर जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। इस टक्कर से निखिल 40 फीट दूर फेंका गया। सिर फटने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पीछे बैठे एक युवक भी गंभीर रुप से घायल है, जिसका इलाज चल रहा है। डायल 112 को सूचना दिये जाने पर टीम मौके पर पहुंची। बताया जाता है कि युवक हेलमेट नहीं पहने थे। इस हादसे पर सीएम साय ने ट्वीट कर शोकर जताया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि

वन मंत्री केदार कश्यप के भतीजे एवं पूर्व सांसद दिनेश कश्यप जी के सुपुत्र निखिल कश्यप की सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल कश्यप परिवार को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करें। घटना के बाद सीएम विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह समेत सभी कैबिनेट मंत्री और बीजेपी के सीनियर नेताओं ने केदार कश्यप के निवास पर पहुंचर दुख जताया। वहीं डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा और पीसीसी चीफ दीपक बैज समेत कई नेताओं ने हादसे पर दुख जताया है और मृतात्मा की शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना की है। सभी ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। कश्यप परिवार छत्तीसगढ़ की राजनीति में अहम माना जाता है। निखिल के पिता दिनेश कश्यप बस्तर से सांसद रह चुके हैं। बलिराम कश्यप छत्तीसगढ़ में बीजेपी के सबसे सीनियर नेता माने जाते थे, मंत्री केदार कश्यप उन्हीं के बेटे हैं।

ग्वालियर में तेज रफ्तार कार की टक्कर से चार कांवड़ियों की मौत, दो घायल

मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले में बुधवार तड़के एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से कांवड़ यात्रा पर निकले चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सड़क किनारे चल रहे कांवड़ियों को टक्कर मारने के बाद तेज रफ्तार कार पलट गई। उन्होंने बताया कि कार चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) हिना खान ने बताया कि यह घटना आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-3) के पास शिवपुरी लिंक रोड पर तड़के करीब दो बजे हुई, जब एक तेज रफ्तार कार का एक टायर फट गया।

कौशल तिहार 2025, युवा शक्ति को मिला सम्मान, आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और कदम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में ÷कौशल तिहार 2025÷ का आयोजन जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज, चोरभट्ठी बेमेतरा में किया गया। इस जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता का शुभारंभ सुबह 10:00 बजे विधायक दीपेश साहू एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत ऑटोमोटिव सर्विस तकनीशियन लेवल-03, सहायक इलेक्ट्रिशियन एवं सोलर पम्प तकनीशियन जैसे कोर्स में प्रशिक्षित और प्रशिक्षणरत युवाओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। अतिथियों द्वारा चयनित हितग्राहियों को कौशल प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत वृक्षारोपण-कार्यक्रम में सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देते हुए दोनों माननीय अतिथियों ने ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश भी दिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता योगेश तिवारी ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दीं और युवाओं से लगातार अपने कौशल को निखारने का आह्वान किया।

योजनाएं जो बदल रही हैं युवाओं का भविष्य-विधायक दीपेश साहू ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा की प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य को संवारने की क्रांतिकारी पहल हैं। आज बस्तियों से लेकर ब्लॉकों तक, हर गली से हुनरमंद भारत उभर रहा है, और यही असली 'कौशल युक्त भारत' की तस्वीर है।

युवाओं को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाती पहल-यह आयोजन न केवल युवाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने का जरिया बना, बल्कि उन्हें कौशल के माध्यम से रोजगार एवं सम्मानजनक जीवन की दिशा में सशक्त रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी किया। 'कौशल तिहार' ने एक बार फिर साबित किया कि सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण से युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की दिशा में जोड़ा जा सकता है।

डॉ .क्रांति खूंटे ने हरेली पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ का महत्वपूर्ण त्यौहार हरेली के शुभ अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय महिला पुरुस्कार से सम्मानित डॉ. क्रांति खूंटे ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए हमारे प्रतिनिधि को एक विशेष भेट में बताया है कि हरेली तिहार का छत्तीसगढ़ में बहुत महत्वपूर्ण तिहार के रूप में मनाया जाता है क्योंकि हरियाली और समृद्धि का प्रतिक हरेली तिहार छतीसगढ़ का पहला और प्रमुख पर्व है, जिसे हर साल सावन मास की अमावस्या को बड़े धूमधाम और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस साल हरेली तिहार 24 जुलाई 2025 को मनाया जा रहा है,हरेली शब्द हरियारी से बना है, जो इस पर्व के मूल भाव को दर्शाता है। हरियाली और समृद्धि का प्रतिक हरेली तिहार छत्तीसगढ़ का पहला और प्रमुख पर्व है, जिसे हर साल सावन मास की अमावस्या क बड़े धूमधाम और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जाता है। हरेली तिहार विशेष रूप से कृषि प्रधान समाज में गहरी आस्था और सामाजिक जुड़ाव के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार उस समय आता है, जब धान की रोपाई का काम चरम पर होता है और खेतों में हर ओर हरियाली छाई होती है। इस हरियाली को देखकर किसानों का मन भी प्रसन्न हो उठता है और वे हरेली तिहार के रूप में प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। डॉ. क्रांति खूंटे ने आगे बताया है कि इस अवसर पर कृषि औजारों की भी पूजा अर्चना की जाती है। हरेली तिहार के दिन किसान अपने कृषि औजारों को साफ सुथरा करके उनकी पूजा करते हैं। कुल देवी देवताओं की पूजा की जाती है। दीपक जलाए जाते हैं और मीठा भोग अर्पित किया जाता है। गाय, बैल, भैंस और अन्य पालतु जानवरों को विशेष प्रेम और ध्यान दिया जाता है। उन्हें नहलाया जाता है, सजाया जाता है और प्रसाद खिलाया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से पशुओं को बीमारी नहीं होती और खेतों में बेहतर काम कर पाते हैं। मुख्य दरवाजे पर लगाते हैं नीम के पत्ते, बच्चे चढ़ते हैं गेंड़ी हरेली तिहार के दिन हर घर के मुख्य दरवाजे पर नीम के पत्ते लगाई जाती है। नीम का यह प्रतीक नकारात्मक ऊर्जा और कीटों से सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसी दिन बच्चे और युवा गेंड़ी चढ़ते हैं ङ्क यह एक पारंपरिक लकड़ी की लंबी छड़ी होती है, जिस पर चढ़कर बच्चे गांव में घूमते हैं। इससे मनोरंजन के साथ-साथ शरीर की फुर्ती भी बनी रहती है।

इस अवसर पर किसानों द्वारा खेतों में पूजा पाठ भी करते हैं -हरेली तिहार के दिन किसान खेतों में जाकर पूजा पाठ करते हैं और फसल की समृद्धि, कीटों से रक्षा और घर में लक्ष्मी के वास की कामना करते हैं। ऐसी मान्यता है कि हरेली तिहार पर पूजा करने से पर्यापरण शुद्ध और सुरक्षित रहता है, फसलें अच्छी होती है और कोई बीमारी या प्राकृतिक आपदा फसल को नुकसान नहीं पहुंचाती।

ग्रामीण जन जीवन में विशेष इस पर्व का बहुत महत्व है-हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतिक है। यह त्योहार न केवल कृषि और पर्यावरण से जुड़ा हुआ है, बल्कि सामाजिक एकता, पारिवारिक जुड़ाव और परंपराओं के सम्मान का प्रतिक भी है। ग्रामिण जवजीवन में इसका विशेष महत्व है, जहां पीढ़ियों से यह पर्व परंपरा के साथ मनाया जाता है।

क्रेशर खदान से रात्रि में ट्रेक्टर चोरी करने वाले आरोपी को पकड़ने में मिली सफलता थाना जांजगीर पुलिस की कार्यवाही

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

मामले में आरोपी के कब्जे से चोरी किए ट्रेक्टर, ट्राली जुमला किमती 4 लाख 10 हजार को किया गया बरामद। आरोपी के विरूद्ध धारा 303 (2) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। आरोपी जोगेंदर सिंह तंवर उम्र 26 वर्ष निवासी मदनपुरगढ़ थाना बलौदा जिला जांजगीर -चांपा।

मामले में दिनांक 18.07.2025 को रात्रि में केशर खदान बिरगहनी से सोनालिका क्रमांक सीजी 29 ए.सी 9701 को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया प्रार्थी ओमप्रकाश पटेल की सूचना रिपोर्ट पर थाना जांजगीर में अपराध क्रमांक 647/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। ट्रैक्टर चोरी की प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (ढ्ढक्क्-) के निर्देशन में थाना जांजगीर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में चोरी गये ट्रेक्टर एवं अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रही थी इसी क्रम में मुखबीर सूचना मिला कि आरोपी जोगेंदर सिंह तंवर द्वारा चोरी के ट्रेक्टर को रखा है जिसकी सूचना पर सीएसपी जांजगीर श्रीमती कविता ठाकुर के नेतृत्व में रेड कार्यवाही कर आरोपी को पकड़ा जिसके कब्जे से ट्रेक्टर सोनालिका क्रमांक सीजी 29 एसी 9701 एवं ट्राली कीमती जुमला कीमती 04 लाख 10 हजार रूपये को बरामद किया जाकर आरोपी पूछताछ करने पर ट्रेक्टर चोरी करने जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्डप र भेजा गया।

एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने की बच्चों से संबंधित अपराधों, गुम नाबालिक बालक, बालिकाओं के मामलों की समीक्षा, विवेचको की ली बैठक

गुम नाबालिक बालक, बालिकाओं के दस्तयाब हेतु आपरेशन मुस्कान के तहत अभियान चलाकर यथाशीघ्र निराकरण करने दिए गए दिशा निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने बीते बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बेमेतरा में बच्चों से संबंधित अपराधों, गुम नाबालिक बालक, बालिकाओं के मामलों को लेकर प्रकरण के विवेचको के साथ बैठक कर विभिन्न थानों में पंजीबद्ध प्रकरणों की गहन समीक्षा की। जिसमें थाना/चौकी में पंजीबद्ध बच्चों से संबंधित अपराधों की जानकारी लेकर बच्चों से संबंधित अपराधों, गुम नाबालिक बालक, बालिकाओं के दस्तयाब हेतु ÷आपरेशन मुस्कान÷ के तहत अभियान चलाकर पता तलाश कर यथाशीघ्र निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया। बच्चों से संबंधित अपराधो में शीघ्र विवेचना पूर्ण कर फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश करने निर्देश दिए गए। इस महत्वपूर्ण बैठक में उप निरीक्षक शैल शर्मा, चौकी प्रभारी कंडरका उप निरीक्षक राजकुमार साहू, चौकी प्रभारी संबलपुर सहायक उप निरीक्षक रघुवीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक छन्नू लाल ध्रुव, राजेश ठाकुर, गुहाराम वारे, प्रधान आरक्षक विजेन्द्र सिंह, नैन दास रात्रे, नंदलाल चतुर्वेदी, महिला प्रधान आरक्षक रीना गायकवाड, प्रधान आरक्षक खोमलाल साहू, आरक्षक गेल्विन साहू सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित 03 परिवारों को 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

जगदलपुर/मूक पत्रिका

कलेक्टर हरिस एस. द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत् प्राकृतिक आपदा पीड़ित 03 परिवारों को 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। इसके तहत् तहसील करपावण्ड ग्राम छिंदगाव निवासी जयपाल बजरंगी मृत्यु पानी में डूबने से पत्नी श्रीमती रतनी को, तहसील बकावण्ड ग्राम मंगनार निवासी निशा बघेल की मृत्यु बिजली गिरने से पिता सम्पत बघेल को और तहसील जगदलपुर ग्राम कालीपुर निवासी समीर गुहा की मृत्यु पानी में डूबने से पत्नी श्रीमती आशा को चार-चार लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। उक्त स्वीकृत सहायता राशि संबंधित हितग्राहियों के बैंक खाते में सीधे अंतरित किए जाने के निर्देश संबंधित तहसीलदारों को दिए गए हैं।

दंतेवाड़ा में चर्म रोग से जुड़ी सभी समस्याओं के लिए निःशुल्क हेल्थ कैंप

27 जुलाई को होगा नि :शुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

चर्म रोग, सौन्दर्य एवं गुप्त रोग को लेकर दंतेवाड़ा में निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन होने जा रहा है। यह कैंप रविवार 27 जुलाई को हाई स्कूल रोड़ स्थित बालाजी मेडिकल में आयोजित किया होगा।चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ने बताया कि चर्म रोग, सौन्दर्य एवं गुप्त से संबंधित सभी प्रकार के ईलाज किए जाएंगे। हेल्थ कैंप के माध्यम से चेहरे का काला दाग एवं झाइयां, पिंपल्स,दाद, खाज, खुजली, मुख संबंधी समस्याएं , बालों का झडना, पकना रूसी एवं गंजापन, नाखुनों का सडना, सोरियासीस-एक्जीमा, बालटोड,स्केबीज़, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के त्वचा संबंधित समस्याएं, ऐलर्जी, एडियों का बार-बार फटना, चेहरे के मस्सों व तिल का ईलाज, हाथ और पैर के तलवे से पसीना आना, पलकों का काला दाग एवं पलकों में जमा केलेस्ट्राल , लिंग में घाव होना, लिंग के स्किन का फटना एवं सफ़ेद होना एवं अन्य चर्म रोग से जुड़ी सभी समस्याओं का निदान मुफ़्त में किया जाएगा । हेल्थ कैंप का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। चर्म रोग से जुड़ी हेल्थ कैंप का आयोजन दंतेवाड़ा जिले में पहली बार किया जा रहा है। हेल्थ कैंप में हिस्सा लेने एडवांस बुकिंग करवाया जा सकता है।

लंबित आरक्षण संसोधन विधेयक पर हस्ताक्षर हेतु राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

देश की संघीय संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सामाजिक एवं शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े हुए समुदाय को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के रूप में तीन वर्गों में वर्गीकृत किया गया है। सामाजिक एवं शैक्षणिक स्थिति के आधार पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को समानता के अवसर उपलब्ध कराते हुए समुचित विकास एवं उत्थान की व्यवस्था किया गया है। तदानुसार केंद्र सरकार द्वारा अनुसूचित जाति को 15त्न अनुसूचित जनजाति को 7.5त्न एवं राज्य शासन द्वारा अ. जा. को 12त्न अ. ज. जा. को 32त्न आरक्षण का प्रावधान लगभग आबादी के बराबर किया गया है। केंद्र सरकार ने मंडल आयोग के अनुशंसा अनुसार संविधान लागू होने के 44 साल बाद माननीय सुप्रीम कोर्ट के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। साथ ही राज्यों की स्थिति के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग को राज्य शासन के द्वारा आरक्षण सुनिश्चित करने का अधिकार दिया गया है, किंतु अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय को अविभाजित मध्य प्रदेश में मात्र 14त्न आरक्षण शिक्षा एवं रोजगार में दिया गया, जो की आज पर्यंत छत्तीसगढ़ राज्य में लागू है। बहुसंख्यक ओबीसी समुदाय को आबादी के अनुरूप हिस्सेदारी (आरक्षण) प्रदान नहीं करने के कारण प्रदेश की ओबीसी समुदाय के समुचित विकास एवं उत्थान में अपरिमित नुकसान हो रही है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 2 दिसंबर 2022 को आरक्षण संशोधन विधेयक पारित कर महामहिम राज्यपाल के हस्ताक्षर हेतु प्रस्तुत किया गया था, जिसमें अनुसूचित जनजाति को 32त्न अनुसूचित जाति को 13त्न अन्य पिछड़ा वर्ग को 27त्न तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 4त्न आरक्षण का प्रावधान किया गया है। आरक्षण संसोधन विधेयक 2022 पर हस्ताक्षर किये जाने व 27त्न ओ बी सी आरक्षण के लिए अध्यादेश पारित कर विधेयक लागू किये जाने के साथ के साथ आवश्यक पहल किए जाने का अनुरोध कर ओ बी सी राधेश्याम प्रदेशाध्यक्ष ओ बी सी महासभा छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन रायपुर तथा अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग छ. ग. शासन के नाम द्वारा गुड्डु लाल जगत अपर कलेक्टर बेमेतरा को ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि हमारी मांगों पर सरकार आवश्यक पहल नहीं करती है तो ओबीसी महासभा द्वारा चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा जिसमें समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होने की बात कही गई है।

लायंस स्कूल में छात्रसंघ पदाधिकारियों ने ली शपथ स्कूल के चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को हुआ छाता वितरण

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय समाज सेवी संस्था लायंस इंटरनेशनल की स्थानीय इकाई लायंस क्लब चांपा द्वारा संचालित लायंस इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल में बुधवार 23 जुलाई को नवगठित छात्रसंघ पदाधिकारियों को पद एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ लायंस क्लब शिक्षण समिति के चेयरमेन लायन रामप्रपन्न देवांगन के मुख्य आतिथ्य में दिलाई गयी। इस दौरान शिक्षा का अधिकार के तहत स्कूल के 176 विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफार्म का भी वितरण किया गया। साथ ही स्कूल के 19 चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को बारिश से बचाव के लिए लायंस क्लब की ओर से छाते का वितरण भी किया गया। लायंस स्कूल में दोपहर 12.30 बजे से आयोजित नवगठित छात्र परिषद के पदाधिकारियों को लायंस क्लब शिक्षण समिति के चेयरमेन लायन रामप्रपन्न देवांगन के मुख्य आतिथ्य में पद एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गयी। इसके पश्चात् स्कूल के 176 विद्यार्थियों को शिक्षा का अधिकार के तहत स्कूल यूनिफार्म का वितरण किया गया। लायन रामप्रपन्न देवांगन ने नवगठित छात्र परिषद 2025-26 के हेड बॉय शुभ सोनी, हेड गर्ल आस्था गुप्ता, डिप्टी हेड बॉय अभिषेक महाराणा, डिप्टी हेड गर्ल प्रियंका यादव, स्पोर्ट्स केप्टन विशाल सिंह राठौर, क्षमा महंत, अनुशासन प्रभारी यशस्वी दुबे, अनामिका देवांगन, प्रत्याशा राय, सौम्या सोनी, आंचल नेगी, अनीष पाल, सिद्धी तिवारी, हनी गुप्ता, भावना सिंह, नंदिनी मासूलकर, प्रतीक राठौर, सारथी चौहान, सांस्कृतिक प्रभारी रश्मि तिवारी, कोआर्डिनेटर वेदप्रकाश सोनी, मोन्या देवांगन, आजाद हाऊस प्रमुख दीपक सिंह मोनाली कुमारी साहू, सुभाष हाऊस प्रमुख इशांत बरेठ, रोहिणी कुमारी, भगत हाऊस प्रमुख विनायक फूल्लर, सिमरन सोनी, विवेकानंद हाऊस प्रमुख अभय देवांगन, शाम्भवी तिवारी, कामर्स क्लब आयुष महिपाल, अनन्या अग्रवाल, इको क्लब मुकेश थवाईथ चंचल पंडित, हर्षिता शर्मा, साइंस क्लब अभय देवांगन, आयुषी सोनी, गणित क्लब निशांत साहू, वाय. त्रिनाथ राव, इंग्लिश क्लब आकाश दीप, सानिया सुमित नाग, एसेम्बली प्रभारी पायल, सम्प्रीति, विवेक साहू, राजेश राठौर, रिया ताम्रकार, चयन समिति श्रीमती एम.एस वारियर, डी.पी. तिवारी, ओ.पी. पाण्डेय, वीरेन्द्र कुमार वर्मा, श्रीमती एस. गुप्ता, एस. यादव को कर्तव्यनिष्ठा व पद की शपथ दिलायी।

बेहतर विद्युत व्यवस्था, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं उपभोक्ताओं की शिकायतें प्राथमिकता से दूर करने दिए निर्देश

कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

कलेक्टर ने बार बार बिजली कटौती पर नाराज़गी जाहिर की

सहायक अभियंता, उप अभिंयता को मुख्यालय में रहने के दिए निर्देश

विद्युत समास्याओं के निराकरण के लिए सभी विकासखंड मुख्यालय सहित 11 स्थानों पर 25 जुलाई से 08 अगस्त तक होगा विद्युत समाधान शिविर का आयोजन

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने बीते बुधवार कलेक्टोरेट सभा कक्ष में विद्युत विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिले में बेहतर विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि बिजली आमजनों से जुड़ी महत्वपूर्ण आवश्यकता है इसलिए संबंधित अधिकारियों को विद्युत से जुड़ी आम उपभोक्ताओं की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करना चाहिए। उन्होंने बार बार के बिजली कटौती पर नाराज़गी जाहिर करते हुए व्यवस्था में सुधार की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि विद्युत व्यवधानों के अटेण्ड करने का टाईम कम से कम हो। कर्मचारीगण तत्काल मौके पर पहुंच कर विद्युत व्यवधान को दुरूस्त करें। कलेक्टर ने कहा कि अघोषित बिजली की कटौती से नागरिकों को काफी परेशानी होती है, जिसे ध्यान में रखते हुए कार्य करें। उन्होंने विद्युत समस्याओं के निराकरण के लिए सभी विकासखंड मुख्यालय सहित अधिक समस्या वाले क्षेत्रों में शिविर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सहायक अभियंता, उप अभिंयता को मुख्यालय में रहने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने कहा कि आमजनता के साथ ही कृषि, व्यापारिक प्रतिष्ठानों में बिजली आपूर्ति से संबंधित प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। कलेक्टर ने शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के स्कूल एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के परिसरों में लगे ट्रांसफार्मर जैसे विद्युत उपकरण बच्चों की पहुंच से दूर रहें और इनके आसपास सुरक्षात्मक घेराव हो, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। बैठक में कलेक्टर ने ट्रांसफार्मर, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सब स्टेशनों में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, लाइन एवं पोल शिफ्टिंग सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की और बेहतर कार्ययोजना के साथ उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री अधोसंरना विकास योजना अंतर्गत ग्राम सिवनी व तिलाई में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र के निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जिससे क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे अधिक लोड, ट्रिपिंग और बार-बार की कटौती जैसी समस्याओं से आमजनता को निजात मिलेगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अधीक्षण अभियंता अमर चौधरी, कार्यपालन अभियंता ए के भारद्वाज, आर के चौहान, एच के मंगेश्कर सहित सर्व सहायक अभियंता, उप अभियंता उपस्थित थे।

25 जुलाई से 8 अगस्त तक विद्युत समाधान शिविर का होगा आयोजन

कलेक्टर महोबे के निर्देश में विद्युत समास्याओं के निराकरण के लिए सभी विकासखंड मुख्यालय सहित 11 स्थानों पर 25 जुलाई से 08 अगस्त तक विद्युत समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 25 जुलाई को कोटगढ़ एवं सारागांव में, 30 जुलाई को धाराशिव, बलौदा एवं अकलतरा में, 31 जुलाई को पामगढ़ एवं बुड़गहन, 5 अगस्त को शिवरीनारायण में, 7 अगस्त बिर्रा और केरा एवं 8 अगस्त को नवागढ़ में शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शत प्रतिशत निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

भटगांव क्षेत्र में बीएमएस का परचम, एच.एम.एस पिछड़ा, सदस्यता सत्यापन में लगातार चौथे वर्ष बनी बढ़त

सूरजपुर/भटगांव/मूक पत्रिका

जिले के भटगांव क्षेत्र में कार्यरत श्रमिक संगठनों के बीच सदस्यता सत्यापन के आंकड़े जारी हो चुके हैं और इन आंकड़ों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारतीय मजदूर संघ (क्रूस्) मजदूरों का पसंदीदा और अग्रणी संगठन बन चुका है। वर्ष 2025 के ताज़ा सत्यापन में बीएमएस ने एक बार फिर हिंद मजदूर सभा (॥रूस्) को पछाड़ते हुए श्रेष्ठता का परचम लहराया है। 2025 के सत्यापन में भारतीय मजदूर संघ (क्रूस्) की कुल सदस्यता 1114 रही, जो पिछले वर्ष 2024 की सदस्यता संख्या 1094 से अधिक है। वहीं दूसरी ओर हिंद मजदूर सभा (॥रूस्) की सदस्यता में लगातार गिरावट जारी है, और यह संख्या 2025 में घटकर 1312 पर आ गई, जो 2024 में 1380 थी। यानि ॥रूस् को 68 सदस्यों की गिरावट का सामना करना पड़ा है, जबकि बीएमएस ने 20 नए सदस्य जोड़ते हुए एक सशक्त वापसी की है।चार वर्षों में बदली तस्वीर, बीएमएस हुआ मजबूत

अगर बीते चार वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो यह स्पष्ट होता है कि भारतीय मजदूर संघ ने एक-एक कदम चढ़ते हुए लगातार अपनी पकड़ मज़बूत की है।

0 वर्ष 2022 में ॥रूस् और क्रूस् के बीच का अंतर 694 था,

0 2023 में यह अंतर घटकर 574 रह गया,

0 2024 में घटते हुए यह अंतर 286 तक आ गया,

0 और अब 2025 में यह फासला सिर्फ 198 पर सिमट गया है।

यह गिरावट हिंद मजदूर सभा की कमजोर होती पकड़ और भारतीय मजदूर संघ की नीतियों व संगठनात्मक सक्रियता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। क्षेत्र के मजदूर अब एक स्पष्ट रुझान के साथ भारतीय मजदूर संघ को चुन रहे हैं।

श्रमिकों का बढ़ता विश्वास भारतीय मजदूर संघ की पूंजी

भारतीय मजदूर संघ की यह सफलता केवल आंकड़ों की नहीं, बल्कि मजदूरों के दिलों में बसे विश्वास की जीत है। संगठन द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर लगातार मजदूरों के हितों के लिए किए गए संघर्ष, आवाज़ उठाने की प्रतिबद्धता और स्पष्ट नीति रुख ने मजदूरों को आकर्षित किया है।

भारतीय मजदूर के क्षेत्रीय नेताओं ने न केवल समस्याओं को उठाया बल्कि समाधान के लिए सड़क से कार्यालय तक संघर्ष किया, और यही कारण है कि संगठन आज भटगांव क्षेत्र में सबसे तेजी से उभरता श्रमिक संगठन बन चुका है।

अन्य संगठनों की स्थिति

0 इंटक ने इस बार कुल 596 सदस्य बनाए, जो बीते वर्षों की तुलना में स्थिरता की ओर संकेत करता है।

0 एटक की सदस्यता में कमी आई है और यह संख्या घटकर 379 हो गई है।

0 नो यूनियन की श्रेणी में आने वाले कर्मचारियों की संख्या घटकर केवल 63 रह गई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि श्रमिक अब किसी न किसी संगठन से जुड़ाव को प्राथमिकता दे रहे हैं।

भविष्य की दिशा–विश्लेषकों का मानना है कि जिस प्रकार भारतीय मजदूर संघ लगातार श्रमिकों की नब्ज़ को समझते हुए काम कर रहा है, वह आने वाले वर्षों में इसे भटगांव क्षेत्र का सबसे प्रभावी और निर्णायक संगठन बना सकता है। वहीं हिंद मजदूर संघ के लिए यह समय आत्ममंथन का है।

निष्कर्ष–भटगांव क्षेत्र में वर्ष 2025 का सदस्यता सत्यापन न केवल आंकड़ों की प्रतिस्पर्धा है, बल्कि मजदूरों के बदलते रुझान और सोच का आईना है। भारतीय मजदूर संघ की प्रतिवर्ष लगातार हो रही बढ़त यह संदेश देती है कि संगठन वह जीतेगा, जो ज़मीन पर काम करेगा और मजदूर की बात करेगा।

बच्चों की शिक्षा पर राजनीति कर रही कांग्रेस : भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश केतारप का आरोप

फोटोशूट कर बच्चों का किया गया दुरुपयोग, झूठे प्रचार से जनता को गुमराह करने की कोशिश

बीजापुर/मूक पत्रिका

भोपालपटनम ग्राम पंचायत वरदली की प्राथमिक शाला की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। वायरल तस्वीरों में बच्चों को बिना छत वाले कक्ष में पढ़ते दिखाया गया, जिसे लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। भाजपा भोपालपटनम मंडल अध्यक्ष राकेश केतारप ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कांग्रेस नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव टाटी पर बच्चों की शिक्षा का राजनीतिक दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। राकेश केतारप ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा जानबूझकर क्षतिग्रस्त कमरे में बच्चों को बैठाकर फोटो खिंचवाया गया, ताकि भाजपा सरकार और प्रशासन की छवि को खराब किया जा सके। उन्होंने इसे सोशल मीडिया पर झूठी लोकप्रियता बटोरने की सस्ती राजनीति बताया। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि वायरल तस्वीर में दिखाया गया स्कूल भवन चार महीने पहले आए तेज आंधी-तूफान के कारण आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ था। भवन में कुल पांच कक्ष हैं, जिनमें से तीन कक्ष पूर्णतः सुरक्षित हैं और वहीं पर कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। भाजपा की जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और स्थानीय ग्रामीणों तथा शिक्षकों से बातचीत की, जिससे यह तथ्य सामने आया।केतारप ने कहा बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह व्यवस्थित और सुरक्षित माहौल में हो रही है। कांग्रेस नेताओं का यह कृत्य बच्चों और अभिभावकों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है, जो बेहद निंदनीय है।÷ भाजपा ने इस पूरे मामले को लेकर प्रशासन से मांग की है कि झूठा और भ्रामक प्रचार करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही जनता से अपील की है कि वे तथ्यों को जाने बिना किसी भ्रमित प्रचार के झांसे में न आएं।

सेजेस सिंघौरी में 'हरेली उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सिंघौरी , बेमेतरा में बड़ी हर्षोल्लास के साथ ÷हरेली उत्सव÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्राचार्य राम गोपाल चंद्राकर ने कहा - छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का बहुत महत्व है, जो मुख्य रूप से खेती-किसानी से जुड़ा होता है। यह त्यौहार सावन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाया जाता है, जिसे ÷हरियाली अमावस्या÷ भी कहा जाता है। इस दिन किसान अपने कृषि उपकरणों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। किसान अपने कृषि उपकरणों जैसे हल, कुदाली, फावड़ा, गैंती आदि की पूजा करते हैं। गेड़ी चलने की परम्परा, घर के मुख्य द्वार पर नीम की टहनी लगाने की परम्परा है, घरों में गुड़ का चीला, ठेठरी-खुरमी जैसे पकवान बनाए जाने की परंपरा। किसानों के लिए महत्वपूर्ण, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक एकता के रूप में यह त्यौहार समुदाय के लोगों को एक साथ लाने और सामाजिक बंधनों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के प्राचार्य राम गोपाल चंद्राकर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण रामकुमार साहू, विनोद साहू, प्रकृति शर्मा, समीर यादव, माधुरी साहू, खुशबू साहू, विभा विश्वकर्मा, तुषार सर्वे, दीपिका साहू, पूजा शर्मा, प्रहलाद धृतलहरे, अनिल खांडे, वेदिका साहू, आशीष तिवारी, ज्योति बनाफर, अनीता कुर्मी, जाह्नवी शर्मा, शुभम पाण्डेय, अन्सधा शर्मा, सुभाष साहू, सरिता शर्मा एवं समस्त विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

जनपद सदस्य पवन कर्मा ने क्षेत्र में स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्रों का किया दौरा

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत फ़रसपाल, कुंडेनार एवं आलनार पहुंचे जनपद सदस्य पवन कर्मा। जनपद सदस्य पवन कर्मा लगातार अपने जनपद पंचायत क्षेत्र के विकास हेतु तत्पर रहते हैं और आयें दिन अपने जनपद क्षेत्र का दौरा कर लगातार ग्रामीणों की समस्याओं को दूर करने के साथ ही शासन की योजनाओं को भी अपने जनपद क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचा रहे हैं ।जनपद सदस्य एवं शिक्षा समिति सदस्य पवन कर्मा अपने एक दिवसीय दौरे पर आज ग्राम पंचायत फ़रसपाल कुंडेनार एवं आलनार पहुंचकर स्कूल एवं आगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया । पवन कर्मा द्वारा बच्चों से खाने गुणवत्ता पूछा गया, बच्चों ने कहा मीनू आधार पर बनता है और आंगनबाड़ियों मे अंडा, कोसरा का चावल से खाना भी बनता है। पवन कर्मा द्वारा हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सुझाव भी दिया गया जो भी कुपोषित बच्चे आते हैं, उनको विशेष रूप से ध्यान दिया जाए। बच्चों को मनोरंजन भी कराया जाए और जो बच्चे नहीं आते है उनको सहायिका के माध्यम से बुलाया जाए ।बच्चों को अ से अनार,आ से आम एवं क्रष्ठ भी सिखाया जाए, बच्चे आंगनबाड़ी में ही पढ़कर स्कूल में जाते हैं सीखते हैं । ऐसे ही सुझाव जनपद सदस्य पवन कर्मा द्वारा स्कूलों में भी शिक्षकों को दिया गया है कि बच्चों को शिक्षा बच्चों को शिक्षा के साथ साथ मनोरंजन , स्थानीय खेल , सामान्य ज्ञान का भी शिक्षा दिया जाए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंचगण एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कालिका मँदिर के सामने लगाया गया शमि वृक्ष के पौधे

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वार्ड नँ. 18 बाजार पारा जूना कैईहा तरिया पार कालिका मँदिर के सामने बेमेतरा पर शमि वृक्ष के पौधा लाकर ग्राम बिलाई निवासी प्रहलाद साहू व कवि गोकुल बँजारे चँदन दोनों ने मिलकर शमि का पौधा

को लगाया गया, व उसकी सुरक्षा हेतु चारों तरफ काँटे से घेरा लगाकर सुरक्षित किया गया है , इस अवसर पर श्रीमती कान्तिप्रभा बँजारे, रीमा टण्डन, शतरूपा बनर्जी, अनिरुद्ध,कविता यादव, नीकिता यादव,उपस्थित रहे।

' आगे हरेली तिहार '

आगे हरेली तिहार संगी,नांगर जुआड़ी धोवाबो ।
चीला बरा रोटी मुठिया ,रांध के वोला जेवाबो ॥
हँसिया टंगिया रापा गैंती,कुदरी रपली ला नहावाबो ।
आरती सजा के हुम धूप देके,मन के मनौती मनाबो ॥
हरियर पाना लीम डारा ला,दुवारी चौखट मा खोंचवाबो ।
गहूँ पिसान के लोंदी बनाके,गाय गरुवा ला खवाबो ॥
लोहार भईया आये हवय,चौखट मा खीला ठोकवाबो ।
चाऊर दार कनक पिसान,पाहटिया घलो दे आबो ॥
संगी जहुरिया मिल के हम,नरियर के लग्गा लगाबो ।
आंखी म टोपा बांध के,पीपर पेड़ जाके पकड़बो ॥
जीत होवय चाहे हार होवय,दुनो मा मजा पाबो ।
एक नहीं कइठन संगी,नरियर भेला हम खाबो ॥
लइका मन संग लइका बन के,गेड़ी हमू खपाबो ।
नरियर रस्सी मा माटी तेल डार,रच-रच गेड़ी बजाबो ॥
कोदू समारू बुधारू संग,सरपट चिखला मा गेड़ी चलाबो ।

गली खोर अऊ डबरा खोंचका के,चिखला पानी मा सनाबो ॥
चीला बरा ठेठरी खुरमी के,निक निक गदम्मा उड़ाबो ।
बफौरी डारे कढ़ी भात संग,सोहारी भजिया ला दमकाबो ॥
बइला ला खवा पिया के,फूल माला घंटी मा सजाबो ।
संझा के बेरा भाठा मा संगी,बइला दउड़ मा अगुवाबो ॥
वाह रे मोर सपूत बइला,जग मा तँय नाम कमवाए ।
विनर शिल्ड संग लाख रुपिया के,मोला इनाम पवाए ॥
आज हरेली तिहार मा,आवँव जुर मिल पेड़ लगाबो ।
卐माँ के नाम एक पेड़ 卐 लगा के,धरती ला हरियाबो ॥

कमलेश ढिण्ढे 卐 कमल 卐
शिक्षक , साहित्यकार
बहुनवागाँव , बेमेतरा

श्री रामलला दर्शन योजनाः जिले के 182 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम भगवान श्री रामलला के दर्शन करने हुए रवाना

■ जनप्रतिनिधियो सहित अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में भगवान श्री राम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। इसी तारतम्य में भगवान श्री रामलला दर्शन योजना के तहत बिलासपुर के रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम जाने वाली विशेष ट्रेन के लिए बीते बुधवार को विकासखंड जांजगीर, नवागढ़ और बम्हनीडीह के 182 राम भक्तों का जत्था एवं 05 एस्कॉर्ट ऑफिसर को लेकर बस रवाना हुई। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, अंबेश जांगड़े, अध्यक्ष नगर पालिका जांजगीर-नैला श्रीमती रेखादेवा गढ़ेवाल, मोहन यादव, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण पवन कोसमा, उप संचालक पंचायत अभिमन्यु साहू ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भगवान श्री रामलला दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं में खासा उत्साह था। अयोध्या धाम की यात्रा की शानदार व्यवस्था के लिए श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताया। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत शासन द्वारा श्रद्धालुओं को निःशुल्क यात्रा पर ले जाने के साथ ही उनके खान-पान सहित सभी सुविधाएं सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है।

आम आदमी पार्टी द्वारा संगठन विस्तार को लेकर बड़ी कवायद शुरू-गोपाल साहू, प्रदेश अध्यक्ष , AAP छ ग

● **अगले कुछ महीनों में जिला से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत संगठन बनाया जायेगा– जसबीर सिंग, प्रदेश संगठन महामंत्री, AAP छ ग**

रायपुर/दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

आम आदमी पार्टी द्वारा छत्तीसगढ़ में पार्टी के विस्तार और संगठन की मजबूती के लिए कवायद शुरू हो गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल सब ने बताया कि आगामी 30 जुलाई तक सभी जिलों में जिला स्तरीय मीटिंग रखी गयी है और उसके बाद जोन स्तरीय सम्मलेन रखा जायेगा, जिसमें प्रदेश प्रभारी, सहप्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मीटिंग लेंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, राज्यसभा सांसद एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी डॉ. संदीप पाठक जी और दिल्ली से सुल्तानपुर विधायक, उप नेता विपक्ष एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश सहप्रभारी मुकेश अहलावत के निर्देशानुसार राज्य में पार्टी विस्तार और मजबूत संगठन की कवायद शुरू हो गयी है।

छत्तीसगढ़ में पार्टी ने 7 ज़ोन बनाकर प्रदेश पदाधिकारियों को पर्यवेक्षक /समन्वयक नियुक्त किया है, जिसमें प्रदेश संगठन महामंत्री जसबीर सिंग को सरगुजा जोन एवं कोरबा-रायगढ़ ज़ोन, प्रदेश महासचिव (मीडिया, सोशल मीडिया प्रभारी) मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय को बिलासपुर -जांजगीर-चांपा ज़ोन,प्रदेश महासचिव वदूद आलम को रायपुर-महासमुंद ज़ोन, प्रदेश उपाध्यक्ष देवलाल नरेटी और प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तम जायसवाल को बस्तर जोन, कांकेर ज़ोन एवं दुर्ग-राजनांदगाव ज़ोन की पर्यवेक्षक/समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गयी है।प्रदेश संगठन महामंत्री जसबीर सिंग ने कहा कि पार्टी द्वारा जल्द ही नए सदस्यों को जोड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाया जायेगा। जिला, ब्लॉक स्तर, प्रत्येक वार्ड, पंचायत और बूथ स्तर पर संगठन की टीम तैयार करने की रुपरेखा तैयार की जा रही है। प्रदेश महासचिव वदूद आलम ने कहा कि पार्टी में युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी पर फोकस किया जा रहा है।आने वाले कुछ महीनों में पार्टी में संगठन स्तर पर जिम्मेदारियां दे दी जाएंगी, जिसके बाद जनता के मुद्दे,आगामी चुनाव रणनीति की बड़ी रुपरेखा प्रदेश प्रभारी, प्रदेश सह प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में तैयार होगी।प्रदेश महासचिव (मीडिया, सोशल मीडिया प्रभारी) मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय ने बताया कि हमारे द्वारा कार्यकर्ताओं को आम आदमी पार्टी की नीतियों, विचारधारा और सोशल मीडिया प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित कर कार्यकर्ताओं में जोश और एकता का संचार करने की तैयारी की जा रही है। आम आदमी पार्टी भारत की पहली ऐसी पार्टी है जो अपने गठन के सिर्फ 12 साल में ही राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल किया है, आम आदमी पार्टी ने हमेशा शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी पर आम जनता के अधिकार के तौर पर फोकस किया है, छत्तीसगढ़ में भी पार्टी जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार आंदोलन कर रही है।

विशेष लेख- छत्तीसगढ़ का परंपरागत तिहार हरेली

राज्य सरकार के नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला

छगन लाल लोन्हारे,
उप संचालक जनसंपर्क

प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन डेढ़ साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 144.92 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी कर रिकॉर्ड कायम किया है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। इस त्यौहार से ही राज्य में खेती-किसानी की शुरूआत होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा

गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढ़ेगा। परंपरा के अनुसार वर्षो से छत्तीसगढ़ के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर अभिभावक जैसे-तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती-किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के ठाकुरदेव की पूजा की जाती है।

हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधियुक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं। गांव के सहाड़ादेव अथवा ठाकुरदेव के पास यादव समाज के लोग जंगल से लाई गई जड़ी-बूटी उबाल कर किसानों को देते हैं। इसके बदले किसानों द्वारा चावल, दाल आदि उपहार में यादवों को भेंट करने की परंपरा रही हैं।सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। हरेली का आशय हरियाली ही है। वर्षा ऋतु में धरती हरा चादर ओड़ लेती है। वातावरण चारों ओर हरा-भरा नजर आने लगता है। हरेली पर्व आते तक खरीफ फसल आदि की खेती-किसानी का कार्य लगभग हो जाता है। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धोकर, धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ का चीला भोग लगाया जाता है। गांव के ठाकुर देव की पूजा की जाती है और उनको नारियल अर्पण किया जाता है।हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढ़ने की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है। परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते है। गेड़ी बांस से बनाई जाती है। दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाई जाती है। एक और बांस के टुकड़ों को बीच से फाड़कर उन्हें दो भागों में बांटा जाता है। उसे नारियल रस्सी से बांधकर दो पउआ बनाया जाता है। यह पउआ असल में पैर दान होता है जिसे लंबाई में पहले कांटे गए दो बांसों में लगाई गई कील के ऊपर बांध दिया जाता है। गेड़ी पर चलते समय रच-रच की ध्वनि निकलती हैं, जो वातावरण को और आनंददायक बना देती है। इसलिए किसान भाई इस दिन पशुधन आदि को नहला-धुला कर पूजा करते हैं। गेहूं आटे को गूंथ कर गोल-गोल बनाकर अरंडी या खम्हार पेड़ के पत्ते में लपेटकर गोधन को औषधि खिलाते हैं। ताकि गोधन को रोगों से बचाया जा सके। गांव में पौनी-पसारी जैसे राऊत व बैगा हर घर के दरवाजे पर नीम की डाली खोंचते हैं। गांव में लोहार अनिष्ट की आशंका को दूर करने के लिए चौखट में कील लगाते हैं। यह परम्परा आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यमान है।पिहले के दशक में गांव में बारिश के समय कीचड़ आदि हो जाता था उस समय गेड़ी से गली का भ्रमण करने का अपना अलग ही आनंद होता है। गांव-गांव में गली कांक्रीटीकरण से अब कीचड़ की समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। हरेली के दिन गृहणियां अपने चूल्हे-चौके में कई प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाती है। किसान अपने खेती-किसानी के उपयोग में आने वाले औजार नांगर, कोपर, दतारी, टंगिया, बसुला, कुदारी, सब्बल, गैती आदि की पूजा कर छत्तीसगढ़ी व्यंजन गुलगुल भजिया व गुड़हा चीला का भोग लगाते हैं। इसके अलावा गेड़ी की पूजा भी की जाती है। शाम को युवा वर्ग, बच्चे गांव के गली में नारियल फेंक और गांव के मैदान में कबड्डी आदि कई तरह के खेल खेलते हैं। बहु-बेटियां नए वस्त्र धारण कर सावन झूला, बिल्लस, खो-खो, फुगड़ी आदि खेल का आनंद लेती हैं।

संपादकीय

वोट के बदले लालच की राजनीति बन रही सत्ता की गारंटी

पिछले कुछ वर्षों से देश के राजनीतिक दलों के लिए जैसे-जैसे वास्तविक मुद्दों पर आम जनता का समर्थन हासिल करना मुश्किल होता गया है, लोगों के सामने कोई सुविधा या सामान मुफ्त देने का वादा करके उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया जाने लगा है। वोट हासिल करने की मंशा से स्कूटी, टीवी या लैपटाप या फिर कुछ राशि देना हो या फिर कोई अन्य सामान, मकसद यह होता है कि लोगों को मुफ्त मुहैया कराने का वादा किया जाए, ताकि वे मुद्दा आधारित राय बनाने की ओर ध्यान न दें। यही वजह है कि लगभग हर चुनाव के पहले जनता को कोई सुविधा मुफ्त दिलाने के लिए राजनीतिक दलों के बीच एक तरह से होड़ लग जाती है। हालांकि इस तरह के चलन ने लोकतांत्रिक मूल्यों को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है और इससे लोभ-आधारित मतदान की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलने के खतरे पैदा हुए हैं। यों इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि सरकारी धन का उपयोग बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने और विकास कार्यों में होना चाहिए, न कि चुनावों में वोट बटोरने की मंशा से मुफ्त की सौगातों पर खर्च करने के लिए। विडंबना यह है कि एक ओर सरकारें जन-कल्याण कार्यक्रमों के लिए धन जारी करने को लेकर कई तरह के बहाने बनाती रहती हैं, दूसरी ओर सत्ता में वापसी या उसे हासिल करने के लिए व्यापक पैमाने पर मुफ्त की कोई सुविधा मुहैया कराने के वादे किए जाते हैं। एक तरह से यह जनता को दिया जाने वाला लालच है, जिसके जरिए बुनियादी सुविधाओं और अन्य जरूरी मुद्दों पर पर्दा डाला जाता है। हाल के वर्षों में चुनावों में जीत हासिल करने के लिए अमूमन हर पार्टी ने इस मुफ्त के औजार का इस्तेमाल किया है और बिहार में नीतीश कुमार की सरकार अब इसका अपवाद नहीं है। गौरतलब है कि गुरुवार को बिहार सरकार ने आम घरेलू उपभोक्ताओं को एक सौ पच्चीस यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है। यह फैसला अगले महीने से लागू हो जाएगा। इससे पहले नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा के तहत मिलने वाली पेंशन की राशि में भी बढ़ोतरी कर दी थी। जाहिर है, बिहार में इस तरह की घोषणाओं की पृष्ठभूमि में अगले कुछ महीने के भीतर होने वाले विधानसभा चुनाव हैं।

हालांकि बिजली मुफ्त मुहैया कराने के मसले पर नीतीश कुमार की राय अलग थी, लेकिन ऐसा लगता है कि अब उन्हें भी जनता के सामने मुफ्त की रेवड़ियों का सपना दिखाने में कोई हिचक नहीं हो रही। आखिर क्या कारण है कि बिहार सहित देश भर में जहां भी इस तरह के मुफ्त की सौगात जनता को देने के वादे किए जाते हैं, उनका समय हर बार चुनाव से पहले का वक्त होता है! सड़क, शिक्षा-व्यवस्था, रोजगार आदि के मसले पर खर्च का सवाल आते ही धन की कमी का रोना वाली सरकारों को अपने अधिकार के क्षेत्र के सभी लोगों के लिए किसी सुविधा को मुफ्त करने का वादा करने में कोई हिचक नहीं होती।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की धरती काशी से नशा मुक्त भारत की पुकार उठी है। शनिवार को वाराणसी में 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा' विषय पर 'युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन' शुरू हुआ, जिसमें देश भर के 100 आध्यात्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के 500 से अधिक युवा प्रतिनिधि शामिल हुए। गंगा नदी के पावन तट पर हो रहे इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य नशे के खिलाफ एक मूल्य-आधारित, युवा-नेतृत्व वाले जनांदोलन की शुरुआत करना है। 20 जुलाई को 'काशी घोषणापत्र' जारी किया जाएगा, यह दस्तावेज़ नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए एक व्यापक एक्शन प्लान होगा। यह नीति निर्माताओं, नागरिक समाज संगठनों और नशामुक्ति एवं पुनर्वास क्षेत्र में कार्यरत युवा नेटवर्क के लिए एक मार्गदर्शक चार्टर के रूप में कार्य करेगा।

बाबा विश्वनाथ की धरती काशी से उठी नशा मुक्त भारत की पुकार

(विवेक मिश्रा)

वाराणसी में विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा शिखर सम्मेलन में युवाओं को नशे, मोबाइल की लत से दूर रखने का संकल्प लिया गया। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए युवाओं को नशामुक्त करना आवश्यक है।

देश के युवाओं को नशे से बचाने और उनको इसकी गिरफ्त से बाहर निकालने के मकसद के साथ केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने एक बड़ी मुहिम की शुरुआत कर दी है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की धरती काशी से नशा मुक्त भारत की पुकार उठी है।

शनिवार को वाराणसी में 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा' विषय पर 'युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन' शुरू हुआ, जिसमें देश भर के 100 आध्यात्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के 500 से अधिक युवा प्रतिनिधि शामिल हुए। गंगा नदी के पावन तट पर हो रहे इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य नशे के खिलाफ एक मूल्य-आधारित, युवा-नेतृत्व वाले जनांदोलन की शुरुआत करना है। 20 जुलाई को 'काशी घोषणापत्र' जारी किया जाएगा, यह दस्तावेज़ नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए एक व्यापक एक्शन प्लान होगा। यह नीति निर्माताओं, नागरिक समाज संगठनों और नशामुक्ति एवं पुनर्वास क्षेत्र में कार्यरत युवा नेटवर्क के लिए एक मार्गदर्शक चार्टर के रूप में कार्य करेगा।

सम्मेलन के पहले दिन नशे की लत से होने वाली बर्बादी पर तो चर्चा हुई ही, साथ ही वर्तमान समय में जरूरत से ज्यादा मोबाइल फोन के प्रयोग की लत पर भी चिंता व्यक्त की गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए हमें अपने युवाओं को नशीले पदार्थों, मोबाइल फोन और रीलों की लत से भी दूर रखना होगा। इस मौके पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खड़से भी मौजूद रही।

5 वर्षों का रोडमैप तैयार होगा

केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी, क्योंकि देश की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। भारत एक युवा देश है। शिखर सम्मेलन में कई स्तर पर चर्चा होगी। आज देश और दुनिया में युवा नशे की लत से अपने जीवन और परिवार को बर्बाद कर रहा है। समाज को भी नुकसान पहुंचा रहा है। ऐसी स्थिति में एक सामूहिक अभियान होना चाहिए, जिसमें सरकार, आध्यात्मिक संगठन, समाज सेवी संस्थाएं, देश के युवा सब लोग मिलकर बहुत बड़ा आंदोलन चलाएं।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए नशा मुक्त अभियान चलाना है। इसी का रोडमैप तय होगा। पांच वर्षों के लिए यह रोडमैप होगा और हर वर्ष अभियान की समीक्षा होगी। केंद्रीय मंत्री ने धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े नेताओं से युवाओं में नशे की लत से दूर रहने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अपने मंचों का उपयोग करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि एक शिविर या सीमित प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। हमें एक जन आंदोलन की आवश्यकता है, जहां प्रत्येक नागरिक कम से कम पांच अन्य लोगों को नशा विरोधी अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित करने का संकल्प ले। डॉ. मांडविया ने कहा कि दो दिवसीय शिखर सम्मेलन मूल्यवान चर्चाओं और सार्थक परिणामों की ओर ले जाएगा। शिखर सम्मेलन 20 जुलाई को 'काशी घोषणा' के विमोचन के साथ समाप्त होगा, जो युवाओं और आध्यात्मिक नेताओं के सामूहिक दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला एक दस्तावेज है। यह दस्तावेज नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए एक विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करेगा और नीति निर्माताओं, नागरिक समाज संगठनों, नशा मुक्ति और पुनर्वास के क्षेत्र में काम करने वाले युवा नेटवर्क के लिए एक मार्गदर्शक चार्टर के रूप में कार्य करेगा।

नशीली दवाओं के नेटवर्क को तोड़ा जाएगा

डॉ. मांडविया ने कहा कि शिखर सम्मेलन में कई तरह के महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। देश और दुनिया में किस तरह के नशे का कारोबार हो रहा है। युवा नशे के जाल में कैसे फंस रहे हैं, कौन से नशे उसे मिलते हैं, नशा करने वालों की संख्या बढ़ रही है, नशे से कैसे नुकसान होता है, सभी का इनुपट होगा। नेशनल और इंटरनेशनल ड्रग्स का कारोबार कैसा होता है, कैसे ड्रग्स का नेटवर्क फैलता है, इन सबके आधार पर अभियान का स्वरूप तय होगा।

सम्मेलन के दौरान नशे की लत के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव को समझना, नशीली दवाओं की आपूर्ति और तस्करी के नेटवर्क को खत्म करना, जमीनी स्तर पर प्रभावी अभियान चलाना समेत अनेक पहलुओं पर चर्चा हो रही है। डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि काशी घोषणापत्र में इन सब पहलुओं को शामिल किया जाएगा और उसके आधार पर अगले पांच वर्ष का एक्शन प्लान तैयार होगा।

नशे के प्रभाव को खत्म करने की दिशा में काम करने वाले डोमेन एरिया एक्सपर्ट्स के प्रेजेंटेशन को देखा गया है। नशे को लेकर एक बेसिक समझ से लेकर, इसके प्रकार, प्रसार, और प्रचार तक से जुड़े इस पूरे नेक्सस को तोड़ने के लिए एक्शन प्लान तैयार होगा। तैयार एक्शन प्लान को लेकर हर वर्ष समीक्षा की जाएगी। यह बड़ा अभियान लगातार चलता रहेगी, जिसमें भारत सरकार के मंत्रालय, संस्थाएं, एनजीओ सभी की भागीदारी होगी।

उनका कहना है कि इस अभियान को जनआंदोलन बनाना होगा और विकसित भारत में युवाओं की भागीदारी मजबूत होगी। नशा मुक्त भारत के मिशन की आवाज देश के हर घर तक पहुंचाने के लक्ष्य को रखते हुए काम किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि काशी घोषणापत्र कागजों तक सीमित न रहें और इस अभियान के लिए सभी की जवाबदेही तय होगी। डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि एक ऐसा स्वस्थ और आत्मनिर्भर युवा समाज ही विकसित भारत की नींव रखें, जो हर प्रकार के नशे और बुराई से दूर हो। युवा फिट हों और उनमें नेतृत्व के गुण हों।

मोबाइल और रील बनाने का भी नशा

सम्मेलन में चर्चा हुई कि वर्तमान समय में तो मोबाइल फोन की भी लत लग गई है। युवाओं में मोबाइल फोन का जरूरत से ज्यादा प्रयोग हो रहा है, रील बनाने और देखने का नशा भी बढ़ रहा है। 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए हमें अपने युवाओं को नशीले पदार्थों, जरूरत से ज्यादा मोबाइल फोन के प्रयोग से दूर रखना है। विकसित भारत में युवाओं को तैयार करना है। एक युवा अपने साथियों को इस अभियान के बारे में बताएगा, ताकि युवा नशे से दूर रहे। जब युवा संकल्प करता है तो क्रांति होती है। जब युवा संकल्प करता है तो सिद्धि सुनिश्चित हो जाती है। डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि एमबाय भारत प्लेटफॉर्म के साथ मिलकर यह शिखर सम्मेलन नशे के खिलाफ एक राष्टीय जनांदोलन की भी शुरुआत करेगा, जिसमें माई भारत के वॉलंटियर्स और संबंधित युवा क्लब देश भर के गांवों, कस्बों और शहरों में जागरूकता अभियान, प्रतिज्ञा अभियान और जमीनी स्तर पर पहुंच गतिविधियों का नेतृत्व करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा आध्यात्मिक समिट 2005 के आयोजन को लेकर अपने संदेश में कहा कि काशी वर्षों से आत्मजागरण और सांस्कृतिक चेतना की नगरी रही है। इस धरती से नशा मुक्त भारत के लिए एक सशक्त और जागरूक युवा पीढ़ी के निर्माण का आह्वान किया जाना एक प्रशंसनीय पहल है। नशा एक ऐसा अंधकार है, जो व्यक्ति को अपने लक्ष्य से दूर करता हुआ, उसके पतन का कारण बनता है। जब एक युवा इस बुराई की चपेट में आता है तो केवल एक जीवन नहीं, बल्कि उसका परिवार, उनके सपने और संभावनाएं भी प्रभावित होती हैं। पीएम ने कहा- भारत की युवा आबादी हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति मोदी ने कहा कि नशे जैसी विनाशकारी प्रवृत्तियां परिवार, समाज और राष्ट्र की नींव को कमजोर करती हैं। भारत की युवा आबादी हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। इस ऊर्जा को नशे जैसी सामाजिक बुराई से बचाकर रखना एक समाज के रूप में हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के संकल्प को मजबूती मिलेगी और उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

महिला सशक्तिकरण के लिए रूढ़िवादी बंधनों से मुक्ति जरूरी

कृष्णमोहन झा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समर्पित गैर लाभकारी संगठन उद्योगवर्धिनी के 21 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गत दिवस सोलापुर में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए देश की प्रगति में महिलाओं के योगदान के महत्व को रेखांकित किया है। संघ प्रमुख ने उक्त समारोह में जो विचार व्यक्त किए उसके पीछे उनका यही आशय था कि समाज में महिलाओं को परंपरागत रुढ़िवादी बंधनों से मुक्त कर उन्हें अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने की स्वतंत्रता समाज की ओर से दी जानी चाहिए। संघ प्रमुख ने महिला सशक्तिकरण को केवल समाज ही नहीं बल्कि देश की उन्नति के लिए अनिवार्य बताया।संघ प्रमुख ने कहा कि अगर आप वास्तव में महिलाओं के सशक्तिकरण के समर्थक हैं तो आपको उन्हें पुराने रीति रिवाजों की बेड़ियों से मुक्त करना होगा और उन्हें स्वतंत्र रूप से फलने फूलने का अवसर प्रदान करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं में ऐसे बहुत से गुण होते हैं जो पुरुषों में नहीं होते और उनके पास वह सब कुछ करने की सामर्थ्य मौजूद है जो पुरुष कर सकते हैं। भागवत ने अपनी इस बात पर विशेष जोर दिया कि पुरषों को यह अहंकार नहीं पालना चाहिए कि उनके प्रयासों से ही महिलाओं का उत्थान सुनिश्चित हो सकता है। संघ प्रमुख ने कहा कि पुरुष जीवन भर काम करता है और महिला भी जीवन भर काम करती है लेकिन उससे भी आगे जाकर वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती है। एक महिला जब योगदान करती है तो पूरे परिवार का उत्थान होता है।मां के स्नेह में ही बच्चों के मन और संस्कार विकसित होते हैं। भागवत ने कहा कि ईश्वर ने महिलाओं को एक अतिरिक्त विशेषता दी है जिससे वे वह सब कर सकती हैं जो पुरुष नहीं कर पाते। इसके साथ ही महिलाओं को पुरुषों के समान सब गुण दिए हैं इसलिए वे पुरुषों की बराबरी से सारे काम कर सकती हैं। मोहन भागवत ने महिलाओं को समाज में पर्याप्त सम्मान और स्वतंत्रता और अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा महिलाओं की उन्नति से संपूर्ण समाज और राष्ट्र के उत्थान का मार्ग प्रशस्त हो सकता है । उल्लेखनीय है कि संघ प्रमुख अतीत में अनेक अवसरों पर दिए गए अपने व्याख्यानों में राष्ट्र की प्रगति में मातृशक्ति के योगदान को रेखांकित करते हुए इस बात को रेखांकित कर चुके हैं कि कोई भी राष्ट्र महिलाओं की समान भागीदारी के बिना उन्नति नहीं कर सकता। भागवत ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि हमारी परंपरा में मातृशक्ति को जो महत्व प्रदान किया गया है उसे सभी को न केवल स्वीकार करना होगा बल्कि उसके अनूरूप आचरण भी करना होगा।हम भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए पुरुषों के बराबर ही महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित करनी होगी। संघ प्रमुख ने महिलाओं के आर्थिक सामाजिक उन्नयन के लिए समर्पित भाव से कार्यरत उद्योगवर्धिनी द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की ।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक हैं)

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए घातक होगा 'माँसाहारी दूध' का आयात

हरीश शिवनानी

इस वर्ष की शुरूआत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी दूसरी पारी की शपथ ली तो किसी को अहसास नहीं था कि वे इस बार अड़ियल तरीके से ऐसे बेतुके निर्णय लेंगे जो कई देशों के लिए मुसीबत बन जाएंगे। टैरिफ का मामला, अवैध प्रवासियों को अपने देश भेजना हो या ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक के बीच सीज़फायर करवाने का श्रेय लेने के लिए 24 बार दावे करना ऐसे ही थे। इस बार उनका नया शगूफा है भारत के साथ व्यापारिक समझौते के तहत उस दूध और वे डेयरी प्रोडक्ट भारत को बेचना जिनमें जानवरों के माँस, वसा, हड्डियों का चूरा और खून का इस्तेमाल होता है। भारत ने अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिकूल होने के कारण इसे अत्यंत आपत्तिजनक बताते हुए इसके आयात के लिए स्पष्ट इनकार कर दिया है। इससे बौखलाया अमेरिका 'माँसाहारी दूध' निर्यात करने का दबाव डालने के लिए विश्व व्यापार संगठन तक पहुंच गया है पर भारत भी आयात न करने के अपने दृढ़ रुख पर कायम है।

अमेरिका, ब्राजील, चीन,यूरोप और कुछ अन्य देशों में गायों का वजन और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए माँस आधारित चारा दिया जाता है। इसके तहत 'ब्लडी मील' यानी सूअर, मुर्गी, मछली, घोड़े और यहां तक कि बिल्ली-कुत्ते जैसे जानवरों के अंगों और उनके खून का उपयोग होता है। इसके तहत जानवरों के मरने के बाद उनके खून को सुखाया जाता है फिर उनके माँस, हड्डियों का चूर्ण, मछली पाउडर और जानवरों की चर्बी मिलाकर खास तरह का चारा बनाया जाता है। जिसे 'रेंडर्ड फीड' कहा जाता है। भारतीय मानकों के अनुसार ऐसे दूध को 'माँसाहारी' माना जाता है। भारत ने इसे सख्ती से 'नॉन-नेगोशिएबल रेड लाइन' घोषित कर स्पष्ट कह दिया है कि वह ऐसे किसी भी डेयरी उत्पाद का आयात नहीं करेगा जो 'रेंडर्ड फीड' यानी माँसाहारी चारे से पोषित गायों से प्राप्त हुआ हो। भारत की मांग है कि आयातित दूध के साथ स्पष्ट प्रमाणीकरण हो, जो यह सुनिश्चित करे कि गायों को केवल शाकाहारी चारा दिया गया है।

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड को लेकर रिश्ते पहले ही असहज हैं, अब 'एनिमल बेस्ड मिल्क प्रोडक्ट्स' के आयात के लिए भारत के अमेरिका को पूरी तरह से इनकार के बाद मामला और गंभीर हो गया है।

प्रीह विहियर मंदिर थाईलैंड , भगवान शिव से है कनेक्शन

थाईलैंड भी हिंदू धर्म से प्रभावित था। उदाहरण के लिए थाईलैंड के अयुत्थया राज्य का नाम अयोध्या के नाम पर रखा गया और यह हिंदू धर्म का केंद्र बन गया। थाईलैंड में रामायण का थाई संस्करण रामकेन भी लिखा गया। यह बात भी बेहद दिलचस्प है कि खमेर की कला में हिंदू देवी-देवताओं के चिन्हों को दिखाया गया उनमें शिव सबसे पहले थे। शिव का चित्रण एक लिंग के रूप में किया जाता था और वह पॉलिश के पत्थर से बनी हुई एक आकृति होती थी। यहां शिव को दयालु देवता के रूप में दिखाया गया था ना कि उग्र रूप में जैसा कि भारत में उन्हें दिखाया जाता है। प्रीह विहियर मंदिर थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर डोंगरेक पहाड़ियों की चोटी पर स्थित है।

(पवन उपरेति)

थाईलैंड और कंबोडिया के रिश्तों में इन दिनों फिर से तनाव चल रहा है। तनाव की वजह एक मंदिर है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच विवाद की वजह सदियों पुराना एक प्राचीन शिव मंदिर है। 1962 में मंदिर के विवाद को लेकर इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने दखल भी दिया था लेकिन बावजूद उसके यह मामला नहीं सुलझ पाया। इस मंदिर पर दोनों ही देशों का दावा है और इसे लेकर हाल ही में दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प भी हो चुकी है। 28 मई को थाईलैंड और कंबोडिया की विवादित सीमा पर हिंसक झड़प हुई और इसमें कंबोडिया के एक सैनिक की मौत हो गई। यह मंदिर प्रीह विहियर यानी प्राचीन शिव मंदिर है। इसे थाई भाषा में फ्रा विहान कहा जाता है।

बिगड़ गए दोनों देशों के रिश्ते

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 800 किलोमीटर लंबी सीमा है। विद्वानों का मानना है कि पहले सियामी (थाईलैंड के लोग) और खमेर (कंबोडिया के लोग) के लोगों के बीच व्यापार, विवाह और सांस्कृतिक आदान-प्रदान होता था और बहुत मधुर संबंध थे लेकिन 14 वीं शताब्दी के आसपास जब खमेर साम्राज्य कमजोर पड़ने लगा तो थाई साम्राज्य ने कंबोडिया की राजधानी अंगकोर पर कब्जा कर लिया। खमेर ने इसके जवाब में थाईलैंड पर हमला किया और 16वीं शताब्दी तक इनके बीच झड़पें चलती रही। 1904 के एक नक्शे के मुताबिक, थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा का निर्धारण किया गया जिसमें इस प्राचीन प्रीह विहियर मंदिर को कंबोडिया की सीमा में दिखाया गया। चर्नविट कासेत्सिरी, पोउ सोथिरक और पाविन चाचावलपोंगपुन ने अपनी संयुक्त किताब प्रीह विहार- ए गाइड टू द थाई कंबोडिया कॉनफिलेक्ट एण्ड इट्स स्आलुशन (2013) में लिखा है कि सियाम यानी थाईलैंड को औपनिवेशिक राजनीति के दबाव में फ्रांस के साथ संधि करनी पड़ी और उसने कंबोडिया के कुछ इलाकों बट्टामबांग, सिसोफोन और सिएम रीप को फ्रांस को दे दिया। वे अपनी किताब में यह भी लिखते हैं कि 50 साल से ज्यादा वक्त तक थाईलैंड चुप रहा और इससे मंदिर को लेकर उसका दावा कमजोर हो गया। अयोध्या के नाम पर रखा गया और यह हिंदू धर्म का केंद्र बन गया। थाईलैंड में रामायण का थाई संस्करण रामकेन भी लिखा गया। यह बात भी बेहद दिलचस्प है कि खमेर की कला में हिंदू देवी-देवताओं के चिन्हों को दिखाया गया उनमें शिव सबसे पहले थे। शिव का चित्रण एक लिंग के रूप में किया जाता था और वह पॉलिश के पत्थर से बनी हुई एक आकृति होती थी। यहां शिव को दयालु

इतिहासकार डॉन एफ. रूनी ने अपनी किताब अंजकौर कंबोडिया बंडर्स खमेर टेंपल(2006) में लिखा है कि एक पुरानी मान्यता के मुताबिक, खमेर जाति के पूर्वजों में से एक प्रीह थोन्ग भारत से कंबोडिया आए थे क्योंकि राजा ने नाराजगी की वजह से उन्हें निर्वासित कर दिया था। 10वीं से 14वीं शताब्दी के बीच जब ईसाई धर्म का उदय हुआ तब भारत से बहुत सारी धार्मिक मान्यताएं और प्रथाएं भी कंबोडिया तक पहुंची और इस दौरान ईसाई धर्म का भी उदय हुआ। थाईलैंड भी हिंदू धर्म से प्रभावित था। उदाहरण के लिए थाईलैंड के अयुत्थया राज्य का नाम देवता के रूप में दिखाया गया था ना कि उग्र रूप में जैसा कि भारत में उन्हें दिखाया जाता है। प्रीह विहियर मंदिर थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर डोंगरेक पहाड़ियों की चोटी पर स्थित है। राजनीतिक वैज्ञानिक पुआंगथोंग आर पावकपन ने स्टेट एण्ड यूनिसिविल सोसायटी इन थाईलैंड एट द टैंपल आफ प्रीह विहियर में लिखा है कि इस मंदिर में पांच मुख्य प्रवेश द्वार हैं, जो सीढ़ियों और गलियारों से जुड़े हैं। पावकपन ने लिखा है कि मंदिर के प्रवेश द्वार पर शिव का वाहन नंदी बैल है। मंदिर जाने का प्रमुख रास्ता थाईलैंड की ओर से है लेकिन दो रास्ते ऐसे हैं जो पूर्वी और पश्चिम की ओर से कंबोडिया के शहरों से जुड़ते हैं।

मंदिर के आसपास कुछ अन्य पुरातात्विक स्थल भी हैं जैसे एक पुराना जलाशय और एक शिवलिंग। 15वीं सदी में अंगकोर साम्राज्य के पतन के बाद इस मंदिर को उपेक्षित कर दिया गया और दुनिया को इस बारे में तब पता चला जब शीत युद्ध के दौरान थाईलैंड और कंबोडिया के रिश्ते खराब हो गए।

1953 में आजाद हुआ कंबोडिया

1953 में कंबोडिया को आजादी मिल गई तब राजा नरोदम सिहानुक ने थाईलैंड की सरकार से कहा कि वह मंदिर में तैनात थाईलैंड के सैनिकों को वापस बुलाए लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे कंबोडिया नाराज हो गया और उसने दो बार थाईलैंड से राजनीतिक संबंध तोड़ लिए। इसके बाद यह मामला 1962 में इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ़ जस्टिस में गया। 15 जून, 1962 को अदालत में अपने फैसले में कहा कि प्रीह विहियर का मंदिर कंबोडिया के इलाके में आता है। थाईलैंड के लोग इस फैसले के खिलाफ भड़क गए। देश भर में प्रदर्शन हुए, राजधानी बैंकॉक में रैलियां निकाली गई और फिर वहां की सरकार भी प्रदर्शनकारियों के साथ आ गई हालांकि सरकार ने इस मामले में अदालत के आदेश का पालन किया। 2008 में यह मुद्दा फिर से सुर्खियों में आया जब पीपुल्स एलायंस फार डेमोक्रेसी (पीएडी) ने कंबोडिया की सरकार के इस मंदिर को विश्व धरोहर स्थल घोषित करने की मांग का थाइलैंड द्वारा समर्थन किए जाने का विरोध किया। इस संगठन ने आरोप लगाया कि थाइलैंड की सरकार इस प्रस्ताव को समर्थन देने के बहाने मंदिर से जुड़ा विवादित क्षेत्र कंबोडिया को सौंप रही है।

शांति जीडी प्लांट की लापरवाही में हुई एक नाबालिक मजदूर की मौत, सुरक्षा व्यवस्था में कमी को बताया जा रहा कारण, इसके बावजूद प्रशासनिक चुप्पी सवालों के घेरे में?

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

जिले में संचालित प्लांट शांति जीडी इस्पात पावर प्राइवेट लिमिटेड महुदा में बीते बुधवार को प्लांट की लापरवाही से एक नाबालिक मजदूर की मौत का मामला प्रकाश में आया है तो वही दूसरी ओर प्रशासनिक साठ गांठ की चर्चा की तेजी से सुनने में आ रही है । यही वजह है कि मजदूर की मौत के बाद पुलिस प्रशासन तत्काल प्रभाव के मौके पर पहुंच गई और मामले को अपने जांच के घेरे में लेने की बात करते हुए किसी भी व्यक्ति के अंदर जाने नहीं दिया गया। मजदूर की मौत हो जाने की बात सुनते ही गांव वाले लोगों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि और पत्रकार मौके पर पहुंचे जिसके बाद से ही मौके पर मौजूद प्रशासन के अधिकारियों ने सभी लोगों को प्लांट के अंदर नहीं जाने के सख्त निर्देश ऊपर के अधिकारियों से प्राप्त होना बताया तो वही ड्यूटी में तैनात सरगांव के थाना प्रभारी गेट में खड़े होकर लोगो को अंदर जाने से मना करते नजर आए इससे लोगो द्वारा लग रहे आरोप को सही माना जा रहा है। क्योंकि स्थानीय और वहां काम करने वाले मजदूरों का कहना है कि शासन की गाइडलाइन को दरकिनार करते हुए प्लांट में चलती है अपनी मनमर्जी जिस वहां से वहां काम करने वाले लोग परेशान रहते है। आपको बता दे कि शांति जीडी प्लांट के लिए यह कोई नई बात नहीं है आए दिन अपने किसी न किसी कांड के लिए हमेशा से ही सुर्खियां बटोरने वाला यह प्लांट लोगों की नाज में बना हुआ है तो वही लोगों का आरोप है कि प्लेट को राजनैतिक पार्टियों का संरक्षण प्राप्त है जिस वजह से प्लांट में काम करें वाले मजदूरों का लगातार शोषण हो रहा है और प्रशासनिक अधिकारी इनके समाने नतमस्तक नजर आते है। आजी की घटना की बात करे तो सुबह लगभग 6 बजे प्लांट में काम करने वाला मजदूर भुवन बरेठ जो कि परसवानी गांव का रहने वाला था।उसकी प्लांट में लगे कन्वेयर बेल्ट में फंस कर मौत हो गई जिसके बाद से प्लांट में अफरा तफरी का माहौल बन गया था मौत की सूचना पाकर प्लांट गेट पर लोगो की भीड़ लगना चालू हो गई थी जिसके बाद तत्काल प्रभाव से प्लांट की लापरवाही उजागर ना हो इसलिए प्रशासन के नुमाइंदों को बुलाकर गेट में खड़ा कर दिया गया और देखते ही देखते माहौल बिगड़ने लगा तब गुप चुप तरीके से प्लांट प्रबंधन ने मृतक नाबालिक मजदूर भुवन बरेठ के परिजनों को बुलाकर समझौता करने में जुट गई । तो वही प्लांट में मौजूद प्रबंधन और प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष दबाव बनाकर आपसी समझौते के लिए तैयार कर लिया गया है जिसमें उस मृतक का रेट 30 लाख तय किया गया है और एक नौकरी में कर लिया गया है।सूत्रों से पता चला है कि वहां काम करने वाले उस मजदूर भुवन का कोई पंजीयन पूर्व में नहीं किया गया था। अब इसे में सवाल यह पैदा होता है कि इस कृत्य से प्लांट प्रबंधन की घोर लहरपवाही लोगो के सामने आने लगी है जोकि गलत है ।और अगर गलत है तो अभी तक प्रशासन चुप क्यों बैठा हुआ है। अभी तक किसी प्रकार की कार्यवाही क्यों नहीं की गई है यह सारे सवालिया निशानों के घेरे में है । आजी की घटना उपरांत परिजनों से सौदा हो जाने के बाद मृतक की डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल ले जाया गया है जहां पर सरकारी औपचारिकता पूरी करने के बाद परिजनों को बॉडी अंतिम संस्कार के लिए सूप दिया जाएगा । परंतु सवाल यहां यह खड़ा हो रहा है कि क्या सरकारी प्रजातंत्र और पुलिस प्रशासन प्लांट पर कड़ी कार्यवाही करेगा यह फिर हमेशा की तरह अभय दान दे कर छोड़ दिया जाएगा। देखा जाए तो पूर्व में ही प्लांट द्वारा की गई गलतियों को लेकर अगर प्रशासन सख्त कदम उठा लेता तो शायद यह नौबत नहीं आती और शायद आज भुवन बरेठ जिंदा होता। हमेशा से ही प्लांट अपनी लापरवाहियों को वजह से सुर्खियां बटोरते हुए ही नजर आया है। चाहे वो जमीन में अवैध अतिक्रमण को लेकर हो या अपने मर्जी के कही भी प्लांट से निकलने वाले वेस्ट राखड़ को लेकर हो ।इतना हो जाने के बाद भी या स्पष्ट होता प्रतीत हो रहा है कि इस प्लांट को राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है जिस वजह से प्रशासनिक चुप्पी बनी हुई है ।जिसका खामियाजा आज एक को अपनी जान गवानी पड़ी और ऐसा ही हाल रहा तो कल किसी और का नंबर होगा।अब देखना यह है कि इस खबर के बाद प्लांट प्रबंधन पर कोई ठोस कार्यवाही होती है या फिर पहले जैसे सब कुंभकर्णी नींद में सोए रहेंगे।

'छत्तीसगढ़ में स्पॉन्सरशिप योजना बनी बच्चों के भविष्य की मजबूत आधारशिला'

सुरजपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मिशन वात्सल्य (एकीकृत बाल संरक्षण योजना) के अंतर्गत स्पॉन्सरशिप योजना जरूरतमंद बच्चों के जीवन में उम्मीद की नई किरण बनकर उभरी है। विशेष रूप से उन बच्चों के लिए, जो माता-पिता के संरक्षण से वंचित हैं या जिनकी देखरेख और शिक्षा में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं, यह योजना आर्थिक सहारा बन रही है। कोरबा जिले में जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से अब तक 122 बच्चों को इस योजना के तहत शामिल किया गया है। इन सभी बच्चों को प्रतिमाह 4000 रुपए की आर्थिक सहायता सीधे उनके अभिभावकों या संरक्षकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जा रही है। यह सहायता राशि बच्चों के पोषण, देखरेख, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मूलभूत जरूरतों की पूर्ति में सहयोग कर रही है। जिला प्रशासन के नेतृत्व में इस योजना को प्रभावशाली रूप से लागू किया जा रहा है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में और जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी की देखरेख में स्पॉन्सरशिप कमेटी की सक्रिय भूमिका से जरूरतमंद बच्चों को चिह्नित कर उन्हें योजना से जोड़ा गया है। यह योजना किशोर न्याय अधिनियम और आदर्श नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है, जिसके अंतर्गत संस्थागत और गैर-संस्थागत सेवाएं प्रदान की जाती हैं। कोरबा जिले में गैर-संस्थागत सेवाओं के माध्यम से ऐसे बच्चों को उनके परिवार या संरक्षकों के साथ रहकर बेहतर जीवन की दिशा में अग्रसर करने का प्रयास किया जा रहा है।कलेक्टर कोरबा ने अपील की है कि समाज के सभी नागरिक यदि अपने आसपास ऐसे बच्चों की जानकारी रखते हैं जिन्हें देखरेख, संरक्षण या शिक्षा की आवश्यकता है और जो माता-पिता से वंचित हैं, तो उन्हें बाल कल्याण समिति अथवा जिला बाल संरक्षण इकाई के समक्ष प्रस्तुत करें। राज्य सरकार का यह प्रयास यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई भी बच्चा सिर्फ माता-पिता की अनुपस्थिति के कारण अपने भविष्य से वंचित न रह जाए। स्पॉन्सरशिप योजना न केवल आर्थिक मदद है, बल्कि यह समाज के संवेदनशील दायित्व की पूर्ति की दिशा में एक सशक्त कदम भी है।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के क्रियान्वयन की तैयारी के लिए बीईओ ने ली बैठक

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

स्कूलों में गुणवत्ता सुधार हेतु मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान प्राथमिक स्तर से लेकर हायर सेकेंडरी स्तर की स्कूलों में चलने वाले अभियान की व्यापक तैयारी के लिए बुधवार को बीईओ रत्ना थवाईत ने शैक्षिक समन्वयकों की बैठक ली । बैठक में उन्होंने गुणवत्ता अभियान के बारे में विस्तृत चर्चा कर इसके सफल क्रियांवयन हेतु तैयारी करने के निर्देश दिये । गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए नियमित अध्यापन के लिए सभी शैक्षिक समन्वयकों को प्रति सप्ताह निरीक्षण कर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता एवं साफ सफाई पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि जिन पुस्तको का स्कैनिंग नही हुआ है उसको सील लगाकर रजिस्टर में एंट्री कर वितरित करने एवं 10 दिवस के भीतर स्कैनिंग करने को कहा ।वितरण के बाद प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करें ।पुस्तक मांग पत्र की जानकारी , एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पोर्टल पर एंट्री करावे । निरीक्षण कर विनोबा ऐप में एंट्री करने के भी निर्देश दिए ।जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा हेतु छात्रों को फार्म भरवाने के लिए प्रयास करे । बैठक गणवेश वितरण सहित अनेक विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गई । बीआरसी हिरेंद्र बेहार ने भी स्कूल शिक्षा सचिव से मिले निर्देशो से सभी को अवगत कराते हुए उसके क्रियान्वयन के निर्देश दिए । इस अवसर पर विकासखंड के सीएसी उपस्थित थे ।

चिरायु योजनाः 08 वर्षीय बालिका निधि के आंखों को मिली नई रोशनी

सिम्स में किया गया मोतियाबिंद का नि:शुल्क सफल ऑपरेशन

मुंगेली /मूक पत्रिका

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत बिलासपुर स्थित सिम्स अस्पताल में 08 वर्षीय बालिका निधि सारथी के ऑख में मोतियाबिंद का सफल आपरेशन किया गया। इससे निधि के आखों को नई रोशनी मिल गई। अब बच्ची को सब कुछ स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने बच्ची के बेहतर ईलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए थे, जिसके परिपालन में विभाग द्वारा बच्ची को सिम्स बिलासपुर रेफर किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शीला साहा ने बताया कि निधि के आंख में जन्म से ही मोतियाबिंद की समस्या थी, जिसके कारण उसे देखने में काफी समस्या होती थी। चिकित्सकों ने इस समस्या से निजात दिलाने आपरेशन करने का निर्णय लिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने निधि के आंख का आपरेशन कर कृत्रिम लेंस लगाया है, जिससे निधि की नजरों में सुधार आ गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे ने बताया कि चिरायु योजनांतर्गत 0 से 18 वर्ष के बच्चों को जन्मजात विकृति जैसे कटे-फटे होंठ, मोतियाबिंद, टेढ़े-मेढ़े अंग, श्रवण बाधा आदि के उपचार की सुविधा निःशुल्क प्रदान की जाती है। जरूरत पड़ने पर उच्चस्तरीय संस्थानों में रेफर उपचार भी कराया जाता है।

रानीदहरा जलप्रपात दुर्घटनाः कलेक्टर-एसपी ने जताया शोक, पीड़ित परिवारों को दिया सहयोग का भरोसा

मुंगेली /मूक पत्रिका

कबीरधाम जिले के रानीदहरा जलप्रपात में हुई दुःखद दुर्घटना के बाद कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने दुर्घटना में मृत युवकों के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना प्रकट की। उन्होंने मृतक नरेन्द्र पाल सिंह छाबड़ा के परिजनों से भेंट कर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। कलेक्टर ने कहा कि अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मृतक की पत्नी एवं परिवार को शासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही, उन्होंने नरेंद्र पाल सिंह छाबड़ा की बच्चियों की शिक्षा को लेकर भी पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इसके बाद कलेक्टर एवं एसपी ने दुर्घटना में मृतक सृजन पाठक के परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और युवा सृजन की दुखद मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि प्रशासन हर संभव सहयोग के लिए तत्पर रहेगा।

किसान पंजीयन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

मुंगेली /मूक पत्रिका

कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में किसान पंजीयन के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में कृषक पंजीयन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पीएम किसान सम्मान निधि की प्रगति की समीक्षा की गई। अपर कलेक्टर जी.एल. यादव ने किसान पंजीयन की प्रक्रिया को 31 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि सभी पात्र कृषक समर्थन मूल्य पर धान विक्रय सहित अन्य योजनाओं का लाभ ले सकें। इसके साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत अधिक से अधिक किसानों का फसल बीमा कराने के भी निर्देश दिए। कृषि विभाग के उपसंचालक एम.आर.तिग्गा ने बताया कि जिले में अब तक 97 हजार 412 पीएम किसान लाभार्थी कृषकों में से 80 हजार 851 का पंजीयन पूर्ण हो चुका है। इसके अतिरिक्त 16 हजार 561 कृषकों का नया पंजीयन किया गया है। वहीं, धान विक्रय करने वाले 01 लाख 10 हजार 469 कृषकों के पंजीयन की प्रक्रिया को भी शीघ्र पूरा करने का कार्य किया जा रहा है।

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 27 जुलाई को, जिले के 12 केन्द्रों में होगी आयोजित

- 04 हजार 300 से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल,परीक्षा के सफल आयोजन हेतु प्रशिक्षण आयोजित

मुंगेली /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ व्यवसायिक मंडल रायपुर द्वारा आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 27 जुलाई को प्रातः 11 बजे से दोपहर 01.15 बजे तक जिले के 12 केन्द्रों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा में 04 हजार 300 से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार परीक्षा के सफल आयोजन के संबंध में डॉ. जे.पी.मिश्र शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जिले के समस्त परीक्षा केंद्रों के केंद्राध्यक्षों एवं पर्यवेक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समन्वयक डॉ. शोभित कुमार बाजपेयी ने ब्रीफिंग के माध्यम से सभी को परीक्षा के सफल संचालन हेतु महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर परीक्षा की जिला नोडल अधिकारी मेनका प्रधान भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। केंद्र में प्रवेश से पूर्व सभी परीक्षार्थियों की मेटल डिटेक्टर से जांच की जाएगी, जिसके लिए परीक्षार्थियों को कम से कम दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचना अनिवार्य होगा, ताकि प्रवेश पत्र एवं पहचान पत्र की पूरी जांच समय पर हो सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पहले केंद्र के मुख्य द्वार बंद कर दिए जाएंगे। परीक्षा के दौरान हल्के रंग के आधी बाँह के कपड़े और चप्पल पहनना अनिवार्य होगा। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण पहनकर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश वर्जित है। इसके साथ ही घड़ी, पर्स, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व कोई भी संचार का साधन, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि साथ लाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश पत्र, मूल पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्रायविंग लाईसेंस, मतदाता पहचान पत्र सहित अन्य कोई भी फोटोयुक्त पहचान पत्र लेकर आना अनिवार्य है।

डिजिटल सशक्तिकरण की राह पर मुंगेली, नागरिकों को मिल रहा आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न सुविधाओं का लाभ

मुंगेली /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय क मंशा की अनुरूप कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए मुंगेली जिले के तीनों विकासखण्डों के 30 ग्राम पंचायत में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र की स्थापना की गई है। अटल डिजिटल सुविधा केंद्र की स्थापना होने से ग्रामीणों को काफी सुविधा मिल रही हैं। पहले आय, जाति, निवास आदि कार्यों के लिए च्वाईस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब ग्रामीणों को उनके घर के पास ही सभी सुविधाएं मिलने लगी है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हुई है।

24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर शुरू हुई थी अटल डिजिटल सुविधा केंद्र- राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर शासन द्वारा जिले के तीनों विकासखण्डों के 10-10 ग्राम पंचायतों में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ किया गया, जहां आमजनों को बैंकिंग, बीमा, पेंशन, बिजली बिल भुगतान, रेलवे टिकट, छात्रवृत्ति, और जन्म-मृत्यु सहित जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज़ों सहित खाता खोलने की सुविधा दी जा रही है। इससे गाँव के लोग पंचायत स्तर पर ही ज़रूरी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

ग्रामीणों ने साझा किए अनुभव- भटगॉव के युवा लेखराम साहू ने बताया कि पहले पैसे जमा या निकासी के लिए 20 किलोमीटर दूर मुंगेली जाना पड़ता था, लेकिन अब ये सुविधा केन्द्र खुलने से यह प्रक्रिया बहुत आसान हो गई है। इससे ग्रामीणों को समय, मेहनत और यात्रा खर्च की बचत हो रही है। इसी तरह डिजिटल सेवा का लाभ लेने पहुंची गंगा साहू ने भी शासन की इस पहल की सराहना की। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने इस पहल को वित्तीय समावेशन की दिशा में एक बड़ा कदम बताते हुए कहा कि ये पहल ग्रामीण स्वावलंबन और पंचायत सशक्तिकरण की दिशा में मददगार कदम है। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सोनम तिवारी के अनुसार इस पहल ने न सिर्फ आर्थिक रूप से गाँवों को मज़बूत किया, बल्कि युवाओं को स्वरोज़गार के अवसर भी दिए। डिजिटल सेवाओं के जरिये शासन की मुख्यधारा अब अंतिम छोर तक पहुँच रही है, जिससे स्थानीय जीवन स्तर में सुधार की उम्मीद बढ़ी है।

बच्चों के समुचित विकास के लिए महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग समन्वय के साथ करें कार्य

नौनिहालों के पोषण के साथ ही सुरक्षित और सुनहरा भविष्य देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

- अगली कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में महिलाओं और बच्चों के लिए संचालित योजनाओं की होगी गहन समीक्षा
- बच्चों से जुड़ी योजनाओं का हो शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन
- महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की जिला स्तर पर नियमित समीक्षा करें कलेक्टर

सुरजपुर /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि नौनिहालों के पोषण और उनको सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने के लिए राज्य सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। बच्चों के समुचित विकास हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग को आपसी समन्वय के साथ मिलकर कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री साय ने बीते बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की उच्च स्तरीय समीक्षा की और अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों पर केंद्रित योजनाओं की जिलेवार नियमित मॉनिटरिंग सचिव स्तर से की जाए तथा आगामी कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में इसकी गहन समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की आधारभूत संरचना, बजट और संचालित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विभाग बच्चों, किशोरियों और महिलाओं के पोषण एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने यह भी कहा कि छोटे बच्चों की देखभाल और पोषण जितनी संवेदनशीलता और कुशलता से की जाएगी, उनका शारीरिक और मानसिक विकास उतना ही प्रभावी और सुदृढ़ होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बच्चे हमारे देश के भविष्य की नींव हैं और इस नींव को मजबूत करने के लिए सभी की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने विभागीय अमले को जमीनी स्तर पर सक्रियता और स्वप्रेरणा के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि राज्य के प्रत्येक बच्चे को पूरक पोषण आहार और विभागीय योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त हो। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित किए जाने वाले पोषण आहार, गर्म भोजन, उसकी मात्रा, गुणवत्ता और कैलोरी मानकों सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की और वितरण की प्रक्रिया की निरंतर निगरानी की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री साय ने पीएम जनमन योजना अंतर्गत संचालित 197 आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन की जानकारी ली तथा विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री साय ने बच्चों के पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण सूचकांकों की समीक्षा करते हुए अपेक्षित सुधार लाने हेतु ठोस प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सूचकांकों के माध्यम से वास्तविक स्थिति का आंकलन संभव होता है, और जहां भी कमी दिखाई दे, वहां त्वरित सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में बेहतर प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि यह प्रगति इसी प्रकार सतत बनी रहे। उन्होंने कहा कि बच्चों के मानसिक विकास पर छोटी-छोटी बातों और व्यवहार का गहरा प्रभाव पड़ता है, इसलिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संवेदनशीलता के साथ बच्चों से भावनात्मक जुड़ाव बनाएं। मुख्यमंत्री साय ने विभागीय अमले के नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि वे तकनीकी रूप से दक्ष और अनुसंधानपरक दृष्टिकोण के साथ परिणामोन्मुखी कार्य कर सकें। बैठक में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, शक्ति सदन, महिला एवं चाइल्ड हेल्पलाइन, महिला कोष, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन वात्सल्य तथा अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई।इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, राहुल भगत, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक पी. एस. एल्मा सहित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

अनुज के जनचौपाल में ग्राम मोतिमपुर , मधईपुर, छड़िया, आलेसुर, पचरी को मिली कई सौग़ातें

■ विधायक अनुज ने जनचौपाल में जनता को दिलाया भरोसा, कहा- मैं राजनीति नहीं,आपकी सेवा करने आपके द्वार तक आया हूं

धरसींवा /मूक पत्रिका

विधानसभा के विधायक अनुज शर्मा ने बीते बुधवार को ग्राम पंचायत मोतिमपुर (परसदा), मधईपुर, छड़िया, आलेसुर एवं पचरी में जन चौपाल का आयोजन कर ग्रामवासियो की समस्याएं सुनीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी असली ताकत है। श्री शर्मा ने जनता को भरोसा दिलाया कि मैं राजनीति में नाम या पद के लिए नहीं आया हूं, मेरी प्राथमिकता सिर्फ आप लोगो की सेवा है इसलिए आज आपके द्वार तक आपकी समस्याओं को सुनने और उसका समाधान करने आया हू। आप मेरे परिवार के सदस्य हैं, आपके हर काम में मेरी भागीदारी हमेशा रहेगी। कभी किसी अपरिहार्य कारणों से आपके कार्यक्रमों मे आपका अनुज उपस्थित नही हो पाया तो बुरा नही मानियेगा, मैं उस दिन नही तो किसी और दिन आपसे आकर मिलूँगा7 जनचौपाल में ग्रामीणों ने विधायक को अपनी समस्या बताया कि परसदा- मोतिमपुर खुर्द कि रोड बहुत जर्जर हो चुकी हैं, जिसको बनाने के लिए विगत 30 साल से मांग कर रहे है आज तक पूरा नही हो पाया। उक्त रोड को बनाने पूरा का प्रस्ताव विधायक ने तुरंत प्रस्ताव भेजा। ग्राम आलेसुर में बच्चों कि समस्याओं को सुनते हुए शाला में प्रार्थना शेड, किचन शेड, शौचालय का घोषणा भी किया7 इन सभी 5 गांवों कि मुख्य समस्या नलवा स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड के खदान कि लोकसुनवाई पर रोक है जिसको मैंने पहले भी 2 बार निरस्त करवाया था और अभी 26 तारीख को होने वाली जनसुनवाई को निरस्त करवाने के लिए विधानसभा के मानसून सत्र में ध्यानाकर्षण के माध्यम से आपकी समस्याओं और माँगो को शासन तक पहुचाया और मुख्यमंत्री व जिला प्रशासन को पत्र लिख कर आपकी समयस्यों को उनके समक्ष रख कर लोक सुनवाई को निरस्त करने का आग्रह किया हैं ।आज के इस जन चौपाल मे विधायक ने मोतिमपुर स्कूल मे 10 लाख रुपए कि लागत से बन रहे प्रार्थना शेड का भूमिपूजन भी किया7 विधायक शर्मा ने सभी ग्राम पंचायतों मे एक पेड़ माँ के नाम पर वृक्षारोपण भी किया7

आज के इस कार्यक्रम में विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा, नवीन अग्रवाल, श्रीमति स्वाति वर्मा, टिकेश्व मनहरे, सुरेंद्र वर्मा, समस्त सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे7

बेमेतरा से भोरमदेव तक की ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा, सैकड़ों श्रद्धालु को किया आवश्यक सामग्री वितरण :- अमित यादव जनसेवक

बेमेतरा /मूक पत्रिका

जिले की सुख-समृद्धि और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण की कामना के साथ बोल बम समिति बेमेतरा द्वारा प्रारंभ की गई लंबी कांवड़ यात्रा करने वाले की सेवा ऐतिहासिक बनती जा रही है। अमित यादव ने बताया कि विगत 4 वर्षों से वे बेमेतरा से कांवड़ियों के लिए निःशुल्क सेवा दे रही हैं, जनप्रतिनिधि द्वारा इतनी लंबी व कठिन धार्मिक यात्रा की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था नहीं बल्कि सनातन परंपरा, सामूहिक एकता और प्रदेश की उन्नति की भावना से प्रेरित है। हर सुबह भोलेनाथ के जयघोष से ऊर्जा लेकर यह यात्रा आगे बढ़ रही है। कांवड़ यात्रा का समापन भोरमदेव मंदिर में भोलेनाथ का जलाभिषेक कर किया जाता। सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश की आस्था और संस्कृति से जोड़ने वाला संकल्प बताया। यह यात्रा धार्मिक आस्था, जनसंपर्क और संस्कृति संरक्षण का सशक्त उदाहरण बनती जा रही है, जिसे लेकर क्षेत्रीय जनता में खासा उत्साह देखा जा रहा है। जिसमें सभी सदस्य गण गुलशन भैया टोनू यादव प्रकाश ठाकुर ।

एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत कलेक्टरेट परिसर में फलदार पौधों का रोपण

■ कलेक्टर सहित विभागीय अधिकारियों ने लगाए फलदार पौधे

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिला प्रशासन द्वारा बीते बुधवार को ÷एक पेड़ माँ के नाम 2.0÷ अभियान के तहत कलेक्टरेट परिसर में फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने हाथों से पौधारोपण किया।

अभियान के अंतर्गत कलेक्टरेट परिसर में कुल 58 फलदार पौधे लगाए गए, जिनमें अमरूद, आंवला, नींबू, कटहल और काजू जैसे पौधे शामिल हैं। इन पौधों का चयन न केवल पर्यावरण को हरा भरा बनाने बल्कि भविष्य में उनके फलों से लाभान्वित होने की दृष्टि से किया गया है। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करना है, ताकि पर्यावरणीय जागरूकता के साथ-साथ समाज में भावनात्मक जुड़ाव भी स्थापित किया जा सके। यह अभियान जिले में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के दौरान अपर कलेक्टर राजेश पात्रे समेत जिले के समस्त विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी फ्लॉप, छत्तीसगढ़ की जनता ने भूपेश बघेल को दिखाया आईना

■ कांग्रेस केवल ढकोसले और दिखावे की राजनीति कर रही- अनुज

बेमेतरा /मूक पत्रिका

पूरे प्रदेश में कांग्रेस पार्टी द्वारा किये गए आर्थिक नाकेबंदी को फ्लॉप बताते हुए धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस अब केवल ढकोसले की राजनीति कर रही है. जिन लोगों ने सत्ता में रहते हुए छत्तीसगढ़ को लूटने का काम किया, वे आज सच्चाई सामने आने पर बौखलाहट में सड़क पर उतरे हैं, भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने अपने पाँच साल के शासनकाल में कोयला, रेत, शराब, धान, डीएमएफ,लोहा और तो और गोबर जैसे कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया. कांग्रेस पार्टी 5 सालों में सिर्फ और सिर्फ राज्य की संपत्तियों को लूटने का कार्य किया हैं. आज जब इन घोटालों की सच्चाई सामने आ रही है और तत्कालीन सरकार के मंत्री और अधिकारी जेल की सलाखों के पीछे पहुंच रहे हैं, तब कांग्रेस आंदोलन कर रही है7 पहली बार देखा जा रहा है कांग्रेस पार्टी ने आरोपी के समर्थन में नाकेबंदी की,पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल पर 1000 करोड़ का हेराफेरी करने का आरोप है. वह कांग्रेस पार्टी का पदाधिकारी नहीं है और उसके साथ पार्टी खड़ी है. दूसरे नेता जेल गए, उसकी समर्थन में ऐसा प्रदर्शन नहीं हुआ. कांग्रेस भ्रष्टाचारियों के पक्ष में आर्थिक नाकाबंदी करके निर्दोष आम जनता को सजा देने का षड्यंत्र किया गया था। कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी पूरी तरह फ्लाप रही,आर्थिक नाकेबंदी को छत्तीसगढ़ की जनता ने नकार दिया है, भ्रष्टाचारियों का जनता समर्थन नहीं करती है,ये दिवालियापन का इससे बड़ा उदाहरण नहीं हो सकता7 हम सभी संगठनों और छत्तीसगढ़ की जनता का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने भ्रष्टाचारियों का विरोध कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रचार गीत का हुआ शुभारम्भ

■ घर-घर जाकर साक्षरता का संदेश पहुंचाएं- डॉ गौरव सिंह, कलेक्टर

रायपुर /मूक पत्रिका

केंद्र प्रवर्तित नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत चलाए जा रहे 'उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान' के प्रचार-प्रसार को गति देने के उद्देश्य से बीते बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभा कक्ष में एक विशेष प्रचार गीत और क्यूआर कोड के माध्यम से जानकारी के वितरण का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर एवं अध्यक्ष, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर, डॉ. गौरव सिंह ने किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों को निर्देशित किया कि वे घर-घर जाकर साक्षरता का संदेश पहुंचाएं और 15 वर्ष से अधिक आयु के अशिक्षित व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें उल्लास केंद्रों से जोड़ने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।इस अवसर पर श्रीमती मीनाक्षी केसरवानी द्वारा रचित 'उल्लास साक्षरता गीत' का भी शुभारंभ किया गया। यह गीत लोगों में साक्षरता के प्रति उत्साह का संचार करेगा।

28 जुलाई को होगा जिला चिकित्सालय में मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प

■ कलेक्टर द्वारा रक्त दान पुनीत कार्य में सहभागी बनने के लिए नागरिकों से की गई अपील

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

रक्तदान एक महादान है और इससे हम किसी जरूरतमंद को जीवनदान दे सकते है। इस परिप्रेक्ष्य में 28 जुलाई 2025 को भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, दंतेवाड़ा द्वारा जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा में मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कैम्प का आयोजन जिला प्रशासन एवं रेडक्रॉस के सहयोग से किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा आम नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, सामाजिक संगठनों एवं विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे सभी इस शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और जरूरतमंदों के जीवन में आशा की नई किरण बनें। क्योंकि रक्तदान से कई जीवन सुरक्षित हो सकते है। अतः इस पुनीत कार्य में सहभागी बनकर दूसरों को भी प्रेरित करें। नागरिकों का बहुमूल्य सहयोग इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अडानी भगाओ, छत्तीसगढ़ बचाओ' आंदोलनः जल-जंगल-जमीन की रक्षा को लखेश्वर बघेल की हुंकार

जगदलपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में बीते दिवस पूरे प्रदेश में ÷अडानी भगाओ, छत्तीसगढ़ बचाओ÷ आंदोलन के तहत आर्थिक नाकेबंदी एवं चक्का जाम किया गया। यह विरोध प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग, विपक्ष की आवाज दबाने, और छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक संपदा को उद्योगपति मित्रों को सौंपने के आरोपों के खिलाफ किया गया। जगदलपुर के आमागुड़ा चौक में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित चक्काजाम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल की अगुवाई में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

अपने जोशीले संबोधन में विधायक लखेश्वर बघेल ने कहाः भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ की जल, जंगल, जमीन और खनिज संसाधनों को अपने पूंजीपति मित्रों के हवाले कर रही है। यह न सिर्फ आदिवासियों और किसानों के अधिकारों का हनन है, बल्कि प्रदेश के भविष्य के साथ विश्वासघात है।÷प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहाः ÷कांग्रेस लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर मोर्चे पर संघर्ष करेगी। जनता की संपदा जनता के पास ही रहेगी ङ्क यही हमारा संकल्प है।÷यह आंदोलन न केवल बस्तर, बल्कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में भी व्यापक जनसमर्थन के साथ आयोजित किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर लोकतंत्र की रक्षा और जनता के हक की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

प्रसव पूर्व निदान तकनीकी (पी.सी.पी.एन.डी. कार्यक्रम) अधिनियम के तहत समिति हुई गठित

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

पी.सी.पी.एन.डी. कार्यक्रम अंतर्गत प्रसव पूर्व निदान तकनीकी (विनिमय और दुरुपयोग निवारण) अधिनियम 1994 की धारा 17 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग में लाते हुए जिले एवं विकासखण्ड स्तर पर पूर्व में गठित समिति में सम्मिलित अधिकारी के स्थानांतरण होने के कारण समिति का पुनर्गठन किया गया है। इसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके, जिला नोडल अधिकारी (पी.एन.डी.टी.) डॉ. एस. मण्डल, शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. नमन साखंला, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रावली, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. संजय कुमार बघेल, अधिवक्ता दिनेश राठौर, जन संपर्क अधिकारी रंजीत पुजारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रतीक सोनी, जिला सलाहकार (पी.एन.डी.टी.) अंकित सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती बबीता पाण्डे, सामाजिक कार्यकर्ता दशाराम नाग शामिल रहेगें। इस संबंध में जिला सलाहकार समिति का बैठक कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सभा कक्ष में दिनांक 25 जुलाई 2025 को दोपहर 03 बजे से आयोजित किया गया है।

राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष कटारिया से खनीज निगम अध्यक्ष बनाने के नाम पर ठगी मामले मे हो एसीबी जाँच - बुधराम नेताम

कोंडागांव/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी कोंडागांव ने केशकाल निवासी भाजपा के वरिष्ठ नेता व कोंडागांव जिला भाजपा कोर ग्रुप के सदस्य संतोष कटारिया के द्वारा अपने साथ हुई धोखाधड़ी के मामले को लेकर केशकाल थाने में प्राथमिक सूचना दर्ज करवाई गई है जिसे लेकर महामहिम राज्यपाल के नाम कोंडागांव कलेक्टर को ज्ञापन सौपा जिसके माध्यम से जिला कांग्रेस कमेटी कोंडागांव ने उक्त प्रकरण की आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से जांच मांग करते हुए कहा है की भाजपा के वरिष्ठ नेता के द्वारा 40 लाख रु नगद लेनदेन किया गया है जिसकी स्वीकारोक्ति उनके द्वारा केशकाल थाने में दर्ज करवाई गई सूचना में उल्लेखित है जो कि कई शंकाओं को जन्म देने का आधार बन रही है उनके पास इतनी नगद रकम कहा से आई कही ये रकम अवैध वसूली के माध्यम से तो नही आई है और इतनी बड़ी राशि जिसका उल्लेख उन्होंने खुद किया है दिल्ली और रायपुर में उन्होंने इतनी बड़ी राशि की व्यवस्था कैसे और किसके माध्यम से की इसकी भी जांच की जाए और ये प्रकरण हवाला कारोबार की शंकाओं को भी जन्म दे रहा है ।अतः जिला कांग्रेस कमेटी आपने निवेदन करती है इस प्रकरण की जांच आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से करवाई जाए ताकि पूरी वास्तविकता सामने आ सके और इस पूरे लेनदेन में जो भी शामिल है उनके ऊपर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही हो सके इस दौरान जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम,पूर्व जिलाध्यक्ष झूमूकलाल दीवान, महामंत्री रितेश पटेल,जिला उपाध्यक्ष तरुण गोलछा, प्रदेश सचिव सकुर खान,कार्यकारी शहर अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन,जिला सचिव उमर मेमन,शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती हेमा देवांगन,नीलू देवांगन,लेखनी प्रधान,अंजू जोशी,जनपद सदस्य रामनाथ नाग, सनी चोपड़ा,रूपेश गोस्वामी,बुधराम मरकाम सहित कांग्रेस जन शामिल रहें।

वर्षा ऋतु में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान – ग्राम पदमपुर

■ मौसमी बीमारियों से बचने के लिए अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करे व बीमारी के लक्षण का आभास होते ही ईलाज कराये - डां. मनीष बंजारा

मुंगेली/मूक पत्रिका

महामारी और मौसमी बीमारी से बचाव एवं नियत्रण के लिए ग्राम पदमपुर में अभियान चला कर ग्रामीणों को वर्षा ऋतु में गंदे व प्रदूषित पानी से फैलने वाले बिमारियों से बचने के लिए जागरूक किया गया। डां. मनीष बंजारा ने बताया कि वर्षा ऋतु के साथ पानी में गंदगी फैलने से हैजा, टाइफाइड, पेचिश, दस्त और पीलिया के सर्दी-खासी की बीमारी से लोग पीड़ित होते है। यदि थोड़ी सावधानी बरते तो इन से निजात पाया जा सकता है। इसके साथ ही बरसात मे सर्पदंश व बिच्छूदंश की घटनाएं भी आते रहती है। इसके लिए लोगो को जागरूक करते हुए कहा गया कि सर्पदंश व बिच्छूदंश में झाड़-फूक्र के बजाय नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र अथवा डॉक्टर से संम्पर्क कर तत्काल दवाई लेने से समस्या से निजात मिलती है। उन्होने बताया कि हर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में दवाईयां उपलब्ध है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डां. शीला साहा एवं डी.पी.एम. गिरीश कुर्रे ने इस विषय को गंभीरता से लिया है और सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को सर्पदंश के लिए ऐंटी स्नेक वेनम उपलब्ध कराया गया है। वर्षा के आरंभ होते साथ ही पानी से संबंधित बीमारियां आरंभ हो जाती है इसके लिए आम लोगो को जागरूक होकर साफ पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए पानी को उबाल कर और आवश्यकता अनुसार क्लोरिन टेबलेट का उपयोग करना चाहिए। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत स्वच्छता के तहत हाथ धोना, स्वच्छ भोजन करना चाहिए। बरसात के समय में सर्दी-खासी की समस्या आम होती है इसलिए ऐसे पीड़ित व्यक्तियों से दूरी मेंनटेन करे और सर्दी खासी से पीड़ित व्यक्ति का तौलिया, रूमाल आदि का भूल कर न करे उपयोग। सर्दी-खासी की समस्या आते ही डॉक्टर से सलाह लेकर तुरंत दवाईयां ले। करोना के बाद सर्दी खासी भी एक बड़ी समस्या के रूप में उभरी है। इसलिए इसे हल्के में न ले और तुरंत ईलाज आरंभ कर दे जिससे अन्य गंभीर समस्या से भी बचा जा सकता है।

इसके साथ ही ग्राम पदमपुर के विभिन्न जगह का निरीक्षण कर ब्लीचिंग पाउण्डर का छिड़काव किया गया। पानी की टंकी में क्लोरिन टेबलेट डलवाया गया साथ ही जररूतमंद लोगो को क्लोरिन टेबलेट व ब्लीचिंग पाउण्डर देकर उसके उपयोग करने का विधि बतायी गई। 20 लीटर पानी में 1 क्लोरिन टेबलेट पीस कर डालना चाहिए। गंदगी वाले स्थान व रूके पानी वाले स्थान में ब्लीचिंग पाउण्डर के छिड़काव से मलेरिया व डेंगू से बचाव होता है। वही गंदे पानी के उपयोग से डायरिया फैलती है। जिसका क्लोरिन टेबलेट के उपयोग से बचाव होता है और डायरिया नहीं फैलती है। पदमपुर में इस जागरूकता अभियान में सरपंच, उपसरपंच, सचिव, पंच, शिक्षक, मितानीन एवं गणमान्य नागरिको को जानकारी देकर जागरूक किया गया और लोगो को बताया गया है कि ब्लीचिंग पाउण्डर क्लोरिन टेबलेट स्वास्थ्य केन्द्र के अलावा पंचायत के माध्यम से भी यह दवाईयां मिल जायेगी। सरपंच/सचिव को ब्लीचिंग पाण्डर व उपलब्ध करा दी गई है। आवश्यकता पड़ने पर लोग यहा से प्राप्त कर सकेंगे। बिच्छूदंश, सर्पदंश के बारे में जानकारी दी- सर्पदंश से बचने के लिए अंधेरे में बिना जूते-चप्पल के न जाए, झांड़ी और घास के स्थान में जाने से पहले स्थल का गंभीरता से अवलोकन कर ले रात में बाहर निकलने पर टार्च/प्रकाश का उपयोग करे और चूहों का खास ध्यान रखते हुए चूहो को घर के आसपास नही रहने देना चाहिए क्योकि साप चूहो को खाने के उदेश्य से घर में प्रवेश कर जाता है।

महामारी के कारण– महामारी तब फैलती है जब कोई संक्रामक रोग एक बड़े क्षेत्र मे सामान्य से अधिक तेजी से फैलता है। वायरस जैसे इन्फ्लूएंजा, कोरोना वायरस, और अन्य श्वसन वायरस महामारी का कारण बन सकते हैं। महामारी और जैविक आपदाएँ जैविक उत्पत्ति के खतरों के कारण होती हैं, जिनमें बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी, रोग पैदा करने वाले कारक ले जाने वाले मच्छर, और विषाक्त पदार्थ या जैवसक्रिय पदार्थ शामिल हैं जो प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होते हैं।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज बेमेतरा को मिला नया जिला प्रमुख अध्यक्ष – हरदीप सिंह राजा छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज की जिला इकाई को नया नेतृत्व प्राप्त हुआ है। हरदीप सिंह 'राजा' छाबड़ा को छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज, बेमेतरा का जिला प्रमुख अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह 'पप्पू भाटिया' एवं हरिकिशन सिंह द्वारा की गई।

इस अवसर पर रायपुर सिक्ख समाज के वरिष्ठ सेवक परविंदर सिंह भाटिया ने भी राजा छाबड़ा को हार्दिक बधाई दी और समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। अपने उद्गार में राजा छाबड़ा ने कहा,

मुझे जिले की जिम्मेदारी सौंपकर जो विश्वास जताया गया है, उसके लिए मैं छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज का हृदय से आभारी हूं। विशेषकर प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा का जिन्होंने मुझे सम्मान और आशीर्वाद दिया।÷उन्होंने परविंदर सिंह भाटिया के प्रति भी विशेष आभार जताते हुए कहा ÷पिछले 15 वर्षो से पप्पू भाटिया मेरे मार्गदर्शक रहे हैं। उनका स्नेह और सहयोग मुझे निरंतर मिलता रहा है। वे मुझे सदैव सिक्ख समाज की सेवा की प्रेरणा देते आए हैं।÷रायपुर स्थित बाबा बुड्ढा साहिब गुरुद्वारा के अध्यक्ष हरिकिशन सिंह ने भी राजा छाबड़ा को नियुक्ति पर आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। इसके अतिरिक्त गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्कल, बेमेतरा के अध्यक्ष हरजीत सिंह खनूजा एवं छत्तीसगढ़ धर्म प्रचार कमेटी, कवर्धा के गुरदीप सिंह पहुजा ने भी राजा छाबड़ा से मुलाकात कर बधाई दी और उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

कुम्हाररास नर्सिंग कॉलेज में आयोजित मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

कुम्हाररास नर्सिंग कॉलेज में बीते बुधवार को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य छात्रों और स्टाफ को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और आत्म-सहायता के व्यावहारिक उपायों के प्रति जागरूक करना था। इस जागरूकता शिविर का संचालन जिला अस्पताल के मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. देश दीपक एवं उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सामान्य लेकिन गंभीर समस्याओं जैसे तनाव, चिंता, अवसाद, व्यवहार संबंधी चुनौतियां एवं उनसे निपटने के परामर्श तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, डॉ. देश दीपक ने न्यूरोलॉजिकल समस्याओं जैसे मिर्गी, स्ट्रोक, माइग्रेन, सिरदर्द, पार्किंसन रोग और अन्य तंत्रिका संबंधी विकारों पर भी व्याख्यान दिया, जिससे विद्यार्थियों को उनकी प्रारंभिक पहचान और उपचार की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने आत्म-सहायता की तकनीकों, नियमित ध्यान, सकारात्मक सोच और संवाद की भूमिका पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर पोस्टर प्रदर्शनी, समूह चर्चा और ध्यान अभ्यास जैसी विविध गतिविधियां भी आयोजित की गयी, जिनके माध्यम से प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिला। इसके साथ ही छात्रों ने इस आयोजन को अत्यंत लाभकारी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को गहराई से समझने और अपने मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन मिला।

शिक्षा की गुणवत्ता परखने संयुक्त संचालक ने किया निरीक्षण

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले के शैक्षणिक स्थानों एवं निर्माण कार्यो के गुणवत्ता को बारीकी से देखने के लिए संयुक्त संचालक शिक्षा राकेश पाण्डेय के द्वारा बीते बुधवार को आकस्मिक निरीक्षण किया गया। सबसे पहले उन्होंने शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल आतुरगांव में पहुँचकर जोन स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम में बच्चों एवं शिक्षकों को संबोधित किया। पाठ्यक्रम अनुसार विद्यालय में अध्यापन कर विद्यार्थी के समग्र विकास करने के लिये बौद्धिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिये गये। तत्पश्चात् जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुँचकर कार्यालय की सभी शाखाओं का निरीक्षण कर अपूर्ण निर्माण कार्यो जल्द से जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये साथ ही कक्षा 01 से 10वीं के कुल प्राप्त पुस्तकों को सभी बच्चों में वितरण कराने तथा किसी भी बच्चे के पास पुस्तक ना हो ऐसी शिकायत ना मिले के निर्देश भी दिए। कार्यालय के निरीक्षण के पश्चात् सभी शाखाओं के कार्यो से संतुष्ट हुये। राकेश पाण्डेय प्राथमिक शाला नांदनमारा पहुँचकर बच्चों की शैक्षणिक स्तर की जानकारी बच्चों से ली एवं बच्चों को अध्यापन भी कराया। उसके पश्चात् जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर पाठ्यपुस्तक. गणवेश, सरस्वती सायकल योजना. एफएल.एन.. पीएमश्री स्कूल के निर्माण एवं मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण किये जाने एवं समग्र शिक्षा से प्राप्त राशि को शीघ्र ही व्यय करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद, जिला मिशन समन्वयक रवि प्रकाश मिश्रा, सहायक संचालक सहित जिला शिक्षा कार्यालय के कर्मचारी मौजूद थे।

जनपद पंचायत सदस्यों का तीन दिवसीय आधारभूत अभिमुखीकरण प्रशिक्षण

कांकेर/मूक पत्रिका

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मण्डावी के मार्गदर्शन में विकासखंड कांकेर भानुप्रतापपुर, चारामा एवं नरहरपुर के जनपद पंचायत सदस्यों की 03 दिवसीय आधारभूत अभिमुखीकरण प्रशिक्षण दिया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर पंकज कुमार सिन्हा, संकाय सदस्य कमलेश कुमार साहू एवं वरिष्ठ आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी राजेन्द्र राठौर के द्वारा 7 वां संविधान संशोधन, जनपद पंचायत सदस्यों के कर्तव्य एवं अधिकार तथा कामकाज संचालन प्रक्रिया, पेसा कानून एवं त्रिस्तरीय पंचायती राज सहित सभी विभागीय योजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। जिला पंचायत संसाधन केन्द्र के प्राचार्य ने कहा कि पंचायती राज संरचना के महत्वपूर्ण एवं आधारभूत जानकारी के साथ ही सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के दिशा में सार्थक होगा। पंचायती राज व्यवस्था एवं ग्रामीण विकास के सशक्तिकरण में जनपद पंचायत सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

869 ग्राम नशीले पदार्थ गांजा के साथ एक गांजा तस्कर गिरफ्तार

■ अवैध नशीली पदार्थ एवं गतिविधियों पर पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले में अवैध गांजा, शराब व अन्य नशीले पदाथों के तस्करी की रोकथाम हेतु लगातार चलाये जा रहे अभियान के तहत मुखबीर की सूचना के आधार पर दिनांक 22.07.2025 को ग्राम कतियारपारा टेकनार कच्ची सड़क के पास महुआ झाड़ के नीचे एक व्यक्ति रतन तामो पिता स्व. राजा ता उम्र 35 वर्ष को अवैध गांजा 869 ग्राम के साथ घेराबंदी करके पकड़ा गया, विधिवत कार्यवाही करते हुये उक्त व्यक्ति के कब्जे से 869 ग्राम अवैध गांजा जप्त किया गया एवं उक्त व्यक्ति के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड हेतु न्यायालय प्रस्तुत किया गया है।

युवती से दुष्कर्म का आरोपी को किया गया गिरफ्तार

■ गीदम थाना क्षेत्र का मामला

■ टीम गठित कर युवती को पानीपत हरियाणा से किया गया बरामद

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

गीदम पुलिस द्वारा युवती से बलात्कर करने वाले आरोपी को पकड़ने में गीदम पुलिस को सफ्लता मिली है । दिनॉक 16.07.2025 को पीडिता के पिता द्वारा थाना उपस्थित आकर गुम इंसान रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी पुत्री बिना बताये कही चली गई है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर गुम इंसान कायम कर जॉच कार्यवाही में लिया गया जॉच के दौरान मुखबिर से सूचना एवं सायबर लोकेशन के आधार पर युवती की लोकेशन पानीपत हरियाणा में होने पता चलने पर थाना गीदम से टीम गठित कर हरियाणा पानीपत पहॅुचकर युवती को दस्तायबी कर पीडिता के कथन के आधार पर आरोपी दिनेश राजपुत पिता स्व0 गणेश राजपुत उम्र 27 वर्ष जाति क्षत्रिय निवासी विराट नगर थाना, जिला विराट नगर नेपाल को हिरासत में लेकर थाना गीदम लाया गया। पीड़िता ने अपने कथन में बताई कि दिनाकं 12.07.2025 को आरोपी द्वारा किसी केश मे लड़की गवाह की जरूरत है। तुमको चलना है कहकर अपने साथ वारंगल ले जाकर आरोपी दिनेश के द्वारा बस स्टैण्ड स्थित किसी लॉज में ले जाकर जबरदस्ती गलत सम्बन्ध बनाया । दिनाकं 13.07.2025 को दिल्ली मे घुमाने के बाद दिनेश ने इसे बस से पानीपत लेकर आया और पानीपत रेलवे स्टेशन के पास किसी लाज मे लाकर इसके साथ जबरदस्ती संबंध बनाने लगा इसके द्वारा मना करने पर आरोपी द्वारा दोनो गालों पर तमाचा से मारपीट कर इसके साथ जोर जबरदस्ती कर शारीरिक संबंध बनाया है। पीड़िता ने दूसरे के फोन से घटना के संबंध में अपने चाचा को बताकर आरोपी से किसी तरह से बचते हुए नजदीक पुलिस थाना सिटी पानीपत हरियाणा पहॅुचकर घटना के बारे में बताई पीड़िता के कथन के आधार पर थाना गीदम में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सीटी बजाकर मितानिने चला रही है जन जागरूकता अभियान

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा- जिले के ग्राम पंचायतों में इन दिनों मितानिने जन जागरूकता अभियान चला रही है। उनके द्वारा 'सीटी' बजाये जाने से ग्रामीण समझ जाते हैं कि कोई जरूरी बात होने वाली है। और दरवाजे खुलने के साथ ही ग्रामीण घर से बाहर आते हैं, और मितानिनें हाथ में झोला, चेहरे पर मुस्कान और स्वास्थ्य का संदेश सेवा का संकल्प लेकर उनसे चर्चा करती है। इस अनोखी मुहिम के तहत जिले की मितानिनों ने अब सूचना पहुंचाने का यह नया तरीका अपनाया है, जिसमें वे गांव में सीटी बजाकर घर-घर जाकर मातृ और शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, मलेरिया, एनीमिया, पोषण और स्वच्छता जैसे जरूरी विषयों पर जागरूक करती हैं। इस प्रकार सीटी की आवाज जैसे ही गांव में गूंजती है, तो बच्चे, बुजुर्ग एवं महिलाएं घरों से बाहर आ जाती हैं। सबको पता होता है। अब कुछ जरूरी जानकारी मिलने वाली है। गांव की एक मितानिन, फूलवती, बताती हैं। ÷पहले लोग आसानी से बात नहीं सुनते थे, लेकिन अब सिटी की आवाज उन्हें खींच लाती है। ग्रामीण खुद पूछने लगते हैं कि क्या

जानकारी लाए हो आज?÷ इस पहल को असरदार बनाने के लिए मितानिनों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ सही जानकारी दे सकें और जरूरत पड़ने पर प्राथमिक सलाह और मार्गदर्शन भी दे सकें। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके ने बताया कि ÷मितानिनें सिर्फ स्वास्थ्य कार्यकर्ता नहीं, बल्कि गांव की सच्ची साथी हैं। उनका यह नवाचार वाकई सराहनीय है, और इससे ग्रामीण स्वास्थ्य प्रणाली को नई ताकत मिल रही है।

साप्ताहिक समय-सीमा बैठक : स्वतंत्रता दिवस समारोह हेतु विभागों को सौंपे गए दायित्व

जिले में गरिमामय पूर्ण रूप से मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

■ जिला पोषण पुनर्वास केन्द्र में बच्चों की संख्या बढ़ाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा के तहत पंजीयन में प्रगति लाने के लिए कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देश

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में बीते बुधवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक हुई। बैठक में सर्वप्रथम आगामी स्वतंत्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक तैयारियां के रूप रेखा के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए। इसके अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस का दंतेवाड़ा में गरिमामय पूर्ण रूप से आयोजित किया जायेगा। मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा पुलिस एवं नगर सैनिकों की टुकड़ियों द्वारा सलामी ली जाएगी। मुख्य अतिथि द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन किया जाएगा। इसके साथ ही स्वतंत्रता दिवस के सफल आयोजन हेतु पूर्व की भांति अन्य विभागों को दायित्व सौंपे गये। इस संबंध मे आगे कहा गया कि जनपद पंचायत कार्यालयों में जनपद पंचायत अध्यक्ष और नगरी निकायों में नगरीय निकायों के अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। तथा स्कूली बच्चो के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे साथ ही सभी शासकीय भवनों, स्मारकों में रोशनी की जाएगी। अन्य वर्ष की तरह शासकीय भवनों, ऐतिहासिक स्थानों के साथ-साथ निजी संस्थानों में भी राष्ट्रीय झंडा वंदन होगें। बैठक में इसके अलावा आगामी स्वतंत्रता दिवस

समारोह के गरिमामय आयोजन की आवश्यक रूपरेखा तैयार कर विभागवार दायित्व सौंपा गया। इसके अन्तर्गत मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन, उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करने, कार्यक्रम में पेयजल, चिकित्सा, स्वल्पाहार, सांस्कृतिक कार्यक्रमों,, मंच स्थल की साज-सज्जा, सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, पीएचई, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यानिकी, वन विभाग, आदिम जाति विभाग, जिला पंचायत, खाद्य विभाग को दायित्व सौंपे गए। इस संबंध में कलेक्टर ने कहा कि कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र दिए जाने के संबंध में यह ध्यान रखा जाए कि उत्कृष्टता पूर्वक शासकीय कार्य संपादित किया जाना इसका मापदंड निर्धारित किया जाए। साथ ही आमंत्रण कार्ड में प्रिंटिंग एवं वितरण में सभी नगरीय एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों का नाम उल्लेख प्रोटोकॉल अनुसार निश्चित होनी चाहिए। इसके साथ ही 13 अगस्त को 15 अगस्त समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल में भी सभी अधिकारी उपस्थित रहेगें। इसके अलावा समय सीमा की बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती के आयोजन के सबंध में विभागीय कार्यक्रमों की रूपरेखा अंतर्गत प्रस्तावित तिथि के संबंध में भी विस्तार पूर्वक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने ई-ऑफिस प्रणाली के तहत सर्व विभाग प्रमुखों से सभी विभाग प्रायोगिक तौर पर फाइल तैयार कर इसे ई-ऑफिस प्रणाली की प्रक्रिया अनुसार जिला कार्यालय में प्रस्तुत करने की समीक्षा की और कहा कि आगामी माह से सभी कार्यालयीन कार्यो जैसे फाइल, दस्तावेज और पत्राचार, नोटशीट इत्यादि ई-ऑफिस प्रणाली के तहत ही संपादित होगें। अतः सर्व विभाग ई-ऑफिस के तहत किसी भी प्रकार की समस्याएं आने पर अपने कर्मचारियों को जिला कार्यालय में भेज कर इसका समाधान कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही बैठक में नीति आयोग विकास सूचकांक के अंतर्गत संपूर्णता अभियान के परिप्रेक्ष्य में कृषि स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, पशुधन विकास, विभाग द्वारा विगत महिने उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी कर्मचारियों हेतु सम्मान समारोह, सभी शालेय संस्थाओं की छात्राओं हेतु दवाई वितरण, प्रधानमंत्री वय वंदना, योजना के तहत पेशनर्स एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए शिविर का आयोजन।

मानवाधिकार अधिवेशन 2025 सफलतापूर्वक हुआ संपन्न

जांजगीर चाम्पा /मूक पत्रिका

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो छत्तीसगढ़ द्वारा 13 जुलाई को भव्य महासम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन चाम्पा के अम्बेडकर भवन में संपन्न हुआ यह महासम्मेलन सामाजिक जागरूकता, मानवाधिकारों की रक्षा और अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को सम्मानित करने हेतु आयोजित किया गया इस में संगठन के पदाधिकारियों, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया यह महासम्मेलन ब्यूरो के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संयुक्त सचिव डॉ जतिन्दरपाल सिंह के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ टीम के सहयोग से माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार के आगमन पर हुआ। साथ ही नेपाल से आए विशिष्ट अतिथि जिनमें नेपाल कोशी के कानून एवं आंतरिक मामला मंत्री लीला वल्लभ अधिकारी, पर्यटन बोर्ड के भावेश श्रेष्ठ, निसहाय बाल बालिका आश्रम संचालिका एवं समाज सेवी सुश्री गीता कुमारी गौतम का आगमन हुआ और चाइल्ड वेलफेयर के अध्यक्ष राजेन्द्र गौतम सचिव रबी गौतम राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पंकज रंजीत राष्ट्रीय सचिव अमृता सिंह, अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मान प्राप्त श्रीमती क्रांति खूँटे शामिल थे । मंच संचालन हेतु बिहार आकाशवाणी से संवाददाता गौतम सहगल एंकर श्रीमती सिमरन कौर एवं बोधी राम साहू रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर भारत और नेपाल के राष्ट्रगान और छत्तीसगढ़ के अरपा पैरी गान के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम में संस्कृतिक प्रस्तुति के लिए लोक कलाकार डॉ सूरज श्रीवास और डॉ करियारे नेपाल से कोरियोग्राफर तुलसी घिमिरे गायक आलिश कुमार डांस प्रस्तुति में लूसी एवं प्रीतिका एवं अन्य बच्चों द्वारा दी गई साथ ही स्कूल के बच्चों द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई । अतिथियों के सम्मान सत्कार उपरांत कार्यक्रम की शुरुआत की गई।इस अवसर में नेपाल से सुश्री गीता गौतम को नारी रत्न अवार्ड से सम्मान दिया गया ।

अतिथियों में प्रेस क्लब से अध्यक्ष कुलवंत सिंह सहित समस्त मीडिया प्रतिनिधि हुए शामिल–कार्यक्रम के मध्य में भोजन कार्यक्रम पूर्ण कर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें ब्यूरो में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को मानवाधिकार अवार्ड दिया गया जिन्होंने समय समय पर अपनी सक्रियता प्रदर्शन की उन्हें प्राइड ऑफ टीम अवार्ड दिया गया ।जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता हेतु बेहतर सहयोग किया उन्हें टीम ऑफ डायमंड सम्मान एवं लीडर केप दिया गया सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को समाज रत्न अवार्ड से समान किया गया। साथ ही शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रदर्शन वाले को शिक्षा सम्मान दिया गया । जिन महिलाओं द्वारा सामाजिक स्तर पर बेहतर कार्य किए गए उन्हें छत्तीसगढ़ नारी रत्न सम्मान दिया गया और अन्य कई सम्मान दिए गए । कार्यक्रम में अतिथियों के द्वारा उद्बोधन हुआ और अंत में केक काटकर कार्यक्रम का समापन हुआ । प्रदेश अध्यक्ष डॉ जतिन्दरपाल सिंह ने इस भव्य कार्यक्रम हेतू समस्त अतिथियों का धन्यवाद करते कहा कि यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ टीम के सहयोग लगन और मेहनत से सफल हुआ और इस कार्यक्रम को सफल बनाने दिन रात लगे रहे हम उनका बहुत बहुत धन्यवाद करते है और आभार प्रकट करते है इस अवसर में टीम के साथ जो सक्रियता प्रदर्शन किए जिनमें प्रदेश उपाध्यक्ष राजिंदर सिंह आजमानी प्रदेश संरक्षक दिलीप साहू कपिल नाथ साहू प्रदेश सलाहकार अमोलक सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ हरिहर पटेल श्रीमती सरस्वती पटनायक बंसी भाई बिलासपुर संभाग अध्यक्ष विष्णु अवतार कश्यप बस्तर संभाग अध्यक्ष जगमोहन सोनी महा सचिव ललित कुमार जिला महा सचिव विजय कुमार यादव सारंगढ़ जिला अध्यक्ष लाभों कुमार जिला सचिव कुलवंत सिंह कानूनी सलाहकार रमेश सोनी रायगढ़ अध्यक्ष श्रीमती पूनम द्विवेदी साथ प्रिंसेस विजयश्री जिला उपाध्यक्ष दिनेश पटेल द्वारा जो सहयोग और कार्यक्रम को सफल बनाने में साथ दिया गया उसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

शासकीय प्राथमिक शाला अकोला में परंपरा, पर्यावरण और नेतृत्व के संग मनाया गया हरेली पर्व

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रथम त्यौहार हरेली का पर्व साजा विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला अकोला में बड़े ही धूमधाम, उत्साह एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। पूरे विद्यालय परिसर को हरियाली से सजाया गया और छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण हरे रंग की पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान पाठिका श्रीमती हिम कल्याणी सिन्हा द्वारा हरेली पर्व के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को बताते हुए कहा कि हरेली हमारे छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार है, जो कृषि, पर्यावरण, परंपरा और समृद्धि का प्रतीक है। सावन मास की अमावस्या को यह पर्व वर्षा ऋतु के आगमन और नई फसल के स्वागत में मनाया जाता है। यह त्योहार किसान और प्रकृति के बीच आत्मीय संबंध को दर्शाता है। इस अवसर पर किसानों द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले पारंपरिक कृषि औजारों जैसे नागर, कुदाली, रापा, हसिया, टंगिया आदि की पूजा की गई। बच्चों ने भी गेड़ी चढ़कर छत्तीसगढ़ी पारंपरा का जीवंत प्रदर्शन किया। हरेली को गेड़ी त्यौहार भी कहा जाता है क्योंकि इस दिन बच्चे गेड़ी पर चढ़कर उत्सव का आनंद उठाते हैं। शिक्षिका श्रीमती हेमलता ठाकुर ने बच्चों को नीम वृक्ष के औषधीय गुणों की जानकारी दी और पर्यावरण की रक्षा में वृक्षों की भूमिका को सरल भाषा में समझाया। इस अवसर पर बच्चों ने तुलसी, नीम, नींबू सहित कई उपयोगी पौधों का रोपण कर हरियाली को बढ़ावा दिया। बच्चों ने छत्तीसगढ़ी हरेली गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिससे गांव की मिट्टी की सोंधी खुशबू पूरे वातावरण में फैल गई।कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को जलेबी वितरित कर पारंपरिक मिठास के साथ पर्व को पूर्णता प्रदान की गई।

बाल संसद का गठन: नेतृत्व विकास की ओर एक कदम–इस अवसर पर विद्यालय में बाल संसद का गठन भी किया गया, जिसमें बच्चों को विभिन्न जिम्मेदारियों का दायित्व सौंपा गया। बच्चों ने गुलाल लगाकर नवगठित बाल संसद के पदाधिकारियों का स्वागत किया और नेतृत्व, जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। हरेली पर्व के माध्यम से शासकीय प्राथमिक शाला अकोला ने न सिर्फ संस्कृति और परंपरा को जीवंत किया, बल्कि पर्यावरण चेतना और बाल नेतृत्व विकास की मिसाल भी प्रस्तुत की।

जिले में 25 जुलाई को होगा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन

गर्भवती माताओं के लिए स्वास्थ्य जांच की विशेष पहल, सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में मिलेगा नि:शुल्क लाभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन पर जिले में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन 25 जुलाई 2025, दिन शुक्रवार को किया जाएगा। सामान्यतः यह अभियान प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को आयोजित किया जाता है, परंतु इस माह 24 जुलाई को शासकीय अवकाश होने के कारण, शासन के निर्देशानुसार यह अभियान एक दिन पश्चात आयोजित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय बेमेतरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में इस दिन गर्भवती माताओं की निःशुल्क प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच की जाएगी। इस दौरान माताओं को जरूरी सलाह, जाँच, रक्तचाप, हिमोग्लोबिन, वजन, पोषण स्थिति, टीकाकरण सहित समुचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। सीएमएचओ कार्यालय ने सभी गर्भवती महिलाओं से अपील की है कि वे 25 जुलाई को अपने निकटतम स्वास्थ्य केन्द्रों में जाकर इस अभियान का लाभ उठाएं और सुरक्षित मातृत्व की दिशा में सहयोग करें। यह अभियान मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, सुरक्षित प्रसव को बढ़ावा देने तथा मातृत्व को सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की यह पहल ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में सराहनीय प्रयास है।

'रक्षा सूत्रों में बंधा राष्ट्रप्रेम' – बेमेतरा की नारियों ने भेजीं 6000 राखियाँ देश के वीर जवानों के नाम

महिला एवं बाल विकास विभाग बेमेतरा की अभिनव पहल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जहां हर बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने की तैयारी में है, वहीं छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और स्वयं सहायता समूहों की हजारों महिलाओं ने एक अनोखा और प्रेरणादायी कार्य किया है, उन्होंने देश की सीमाओं पर तैनात 6000 से अधिक वीर जवानों के लिए राखियाँ भेजीं, जिनमें बंधा है अपार स्नेह, सम्मान और राष्ट्रभक्ति।

यह अभियान महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा के मार्गदर्शन में चलाया गया। राखियाँ हाथों से बनाई गई, उन्हें प्यारे संदेशों और शुभकामनाओं के पत्रों के साथ सम्मानपूर्वक पैक किया गया। हर एक राखी, एक बहन के दिल की आवाज़ बनकर वीर सैनिकों तक पहुँचेगी, यह संदेश लेकर कि वे केवल वर्दीधारी नहीं, बल्कि हर घर के बेटे और हर बहन के भाई हैं।

देश की सरहदों पर तैनात भाईयों के लिए हमारी राखियाँ और दुआएँ–बेमेतरा सेक्टर कंतेली की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संगीता वर्मा ने भावुक होकर कहा की हमारी तरफ से उन भाइयों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ जो दूर सरहद पर हमारी रक्षा कर रहे हैं। यह राखी उनके साहस और बलिदान को हमारा नमन है। वे सुरक्षित रहें, यही हमारी दुआ है। वहीं सहायिका संतोषी साहू (वार्ड 15) ने अपने पत्र में लिखा की आप हमारे लिए सिर्फ सैनिक नहीं, परिवार का हिस्सा हैं। यह राखी सिर्फ धागा नहीं, हमारी आत्मीयता और आशीर्वाद का प्रतीक है।÷यह केवल राखियाँ नहीं, नारीशक्ति का राष्ट्र के प्रति समर्पण है

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी चंद्रबेश सिंह सिसोदिया ने कहा की यह पहल केवल रक्षा सूत्र भेजने तक सीमित नहीं है। यह नारीशक्ति की राष्ट्रभक्ति, भावनात्मक एकजुटता और सम्मान का प्रतीक है। बेमेतरा की महिलाओं ने यह दिखाया कि देशभक्ति केवल बंदूक या वर्दी से नहीं, बल्कि स्नेह, त्याग और भावना से भी प्रकट की जा सकती है। इस अभियान को विभागीय अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन का भरपूर सहयोग मिला। पूरे जिले में इस पहल ने एक सकारात्मक ऊर्जा और गर्व का माहौल निर्मित किया है।

बेमेतरा की बहनों का यह संदेश देश के हर कोने में गूंजे

इस रक्षाबंधन पर जब देशभर में भाई-बहन के रिश्ते को बांधने वाली राखियाँ बांधी जाएंगी, तब बेमेतरा की महिलाओं द्वारा भेजी गई राखियाँ सीमाओं पर तैनात सैनिकों की कलाई पर बंधकर उनके मनोबल को और ऊँचा करेंगी। यह प्रमाण है कि जहाँ बहन का प्यार होता है, वहाँ कोई दूरी मायने नहीं रखती। इस प्रयास ने यह साबित कर दिया कि सच्चा राष्ट्रप्रेम केवल शब्दों में नहीं, कर्मों में झलकता है और इस बार वह प्रेम राखी के धागों में बंधकर सीमाओं तक जा पहुँचा है।

पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना अंतर्गत कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु आयोजित परीक्षा का परिणाम घोषित

25 जुलाई तक दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

बेमेतरा। पंडित जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। यह परीक्षा 30 मार्च 2025 को शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा में संपन्न हुई थी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उक्त परीक्षा का परिणाम कार्यालयीन समय में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कार्यालय में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। परीक्षा में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थी एवं उनके पालक परिणाम की जानकारी कार्यालय में प्राप्त कर सकते हैं। यदि किसी परीक्षार्थी को परिणाम के संबंध में कोई दावा या आपत्ति हो, तो वे संबंधित साक्ष्य व दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति 25 जुलाई 2025 तक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आदिवासी विकास विभाग ने सभी संबंधितों से समय सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है।

जिले में अब तक 248.1 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा। चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 23 जुलाई 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 248.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील थानखम्हरिया में 316.3 मि.मी. तथा न्यूनतम 136 मि.मी. वर्षा नवागढ़ तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 204.6 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 286.5 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 278.7 मि.मी., देवकर तहसील में 248.5 मि.मी, वर्षा दाढ़ी तहसील मे 306.4 मि.मी., वर्षा भिंभौरी तहसील में 203.5 मि.मी. एवं साजा तहसील में 252.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

लोलेसरा में आज होगा मानस हरेली पर्व का दिव्य आयोजन परंपरा, भक्ति और संस्कृति का संगम बनेगा लोलेसरा ग्राम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं में विशिष्ट स्थान रखने वाला हरेली पर्व इस वर्ष ग्राम लोलेसरा में अद्वितीय भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर श्री गुरु पद सत्संग सेवा समिति, लोलेसरा के तत्वावधान में माँ भद्रकाली जिला मानस संघ के निर्देशन में विशाल मानस हरेली महापर्व का दिव्य आयोजन किया गया है। हरेली पर्व को छत्तीसगढ़ में कृषि आरंभ का प्रतीक माना जाता है, और इसे वर्ष का पहला पर्व होने का गौरव प्राप्त है। इस दिन किसान अपने खेती-बाड़ी के औजारों की पूजा करते हैं एवं प्रकृति पूजन की परंपरा निभाई जाती है। इसी श्रृंखला में धर्म, अध्यात्म और लोक संस्कृति के समागम को दर्शाते हुए लोलेसरा ग्राम में मानस भक्ति की गंगा बहेगी। इस कार्यक्रम में जिले की सभी तहसीलों से पंजीकृत मानस मंडलियाँ अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ देंगी। आयोजक समिति के गजेंद्र वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि रामचरितमानस में वर्णित ऋतुचरित्र, देव लीलाओं एवं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों का सजीव चित्रण विद्वान वक्ताओं एवं मानस मंडलियों के माध्यम से किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर ग्रामवासियों सहित क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह है। साथ ही श्रद्धालुओं की उपस्थिति को लेकर विशेष तैयारी की गई है। माँ भद्रकाली जिला मानस संघ के पदाधिकारीगण भी इस ऐतिहासिक आयोजन में आमंत्रित किए गए हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजनांतर्गत 15 दिवसीय ब्युटी पार्लर प्रशिक्षण का शुभारंभ

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

बालिकाओं को सुरक्षा, संरक्षण, शिक्षा एवं सतत् विकास को बढ़ावा देने एवं देश एवं समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का क्रियान्वन किया जा रहा है। जिसके तहत कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के क्रियान्वयन में ''महिलाओं/बालिकाओं में कौशल विकास करने एवं आर्थिक रूप से सक्षम बनाने'' थीम पर नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत भवन पुटपुरा में 15 दिवसीय ब्युटी पार्लर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 महिलाएं एवं बालिकाएं लाभ ले रहे है। ब्युटी पार्लर प्रशिक्षक के रूप में लैक्मे अकैडमी, बिलासपुर के अनुभवी प्रशिक्षिका सुश्री अंजली अग्रवाल एवं साथी ऐश्वर्या के द्वारा सौंदर्य सेवाओं के अनेक प्रकारों के बारे में प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक प्रशिक्षण देते हुए अन्य जानकारी दी गई। इस दौरान परियोजना अधिकारी विकास सिंह, पर्यवेक्षक श्रीमती श्वेता तिवारी, केन्द्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर सुश्री एच, निशा खान, सायको-सोशल-काउंसलर श्रीमती सरस्वती सोनी, सरपंच ग्राम पंचायत पुटपुरा उपस्थित थे।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने किया मातृत्व और पर्यावरण को समर्पित वृक्षारोपण

एक पेड़ माँ के नाम अभियान, मातृ सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत परिसर, बेमेतरा में बीते बुधवार को ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भावनात्मक और पर्यावरणीय चेतना से परिपूर्ण मुहिम के तहत नीलगिरी के पौधे का रोपण किया गया, जो मातृप्रेम और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक बना। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने एक पेड़ माँ के नाम के तहत नीलगिरी का पौधा रोपित किया। उनके साथ जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमा दिवाकर, सभी जनपद सदस्यगण और आमजन ने भी इस पुनीत कार्य में भाग लेकर इस पहल को सार्थकता प्रदान की।

मातृत्व को समर्पित वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा–÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि समाज में मातृत्व के सम्मान को प्रकृति से जोड़ना है। यह पहल हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि जैसे माँ हमें जीवन देती है, वैसे ही पेड़ हमें प्राणवायु (ऑक्सीजन), छांव, जल और संतुलित पर्यावरण प्रदान करते हैं। माँ और वृक्ष दोनों जीवनदाता हैं। नीलगिरी का पौधा, जो औषधीय गुणों से भरपूर और वायुमंडल को शुद्ध करने वाला वृक्ष है, इस मुहिम के लिए विशेष रूप से चयनित किया गया। यह न केवल वातावरण को स्वच्छ बनाने में सहायक होता है, बल्कि भूमि की उर्वरता को भी बढ़ाता है।

सामूहिक संकल्प: हर व्यक्ति लगाए एक पेड़ अपनी माँ के नाम–इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल ने लोगों से आग्रह किया कि वे भी इस अभियान से जुड़ें और कम से कम एक पौधा अपनी माँ के नाम पर अवश्य लगाएँ। यह कदम न केवल भावनात्मक श्रद्धांजलि है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करने का संकल्प भी है। सभी ने मिलकर ÷हरियाली बढ़ाओ, माँ का मान बढ़ाओ÷ का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। एक पेड़ माँ के नाम÷ न केवल एक वृक्षारोपण कार्यक्रम है, बल्कि यह एक आंदोलन है, मातृत्व के प्रति श्रद्धा और पर्यावरण के प्रति संवेदना का। यदि हर व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक पेड़ लगाए, तो यह पृथ्वी और भावी पीढ़ियों के लिए सबसे सुंदर उपहार होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।